संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
गुरुवार
5 फरवरी, 2026
वर्ष:24 अंक: 223
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

नगर निगम आयुक्त विनय कुमार ने किया शिकायत केंद्र एवं सेक्टर-12ए कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

पेज-8

मोटी-मोटी बातें

गुरविंदर सिंह हत्या मामले में शामिल दो मुलजिम गिरफ्तार; अपराध में इस्तेमाल किये गये वाहन बरामद

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाई जा रही मुहिम के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए एस.ए.एस. नगर पुलिस ने मोहाली जिला अदालत परिसर के बाहर हुई गुरविंदर सिंह की हत्या से संबंधित दो मुलजिमों को गिरफ्तार किया है और इस अपराध को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल किए गए वाहन भी बरामद किए हैं। यह जानकारी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) एस.ए.एस. नगर हरमनदीप हंस ने आज यहां दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान बलतेज सिंह उर्फ बंटी निवासी गांव टहिणा (फरीदकोट) और मंगत सिंह उर्फ मैक्स निवासी जलालाबाद (फाजिल्का) के रूप में हुई है। बरामद किए गए वाहनों में काला बजाज पल्सर मोटरसाइकिल (पी.बी.-22-डी-5444) और सफेद होंडा अमेज़ कार (यू.पी.-14-सीडी-6847) शामिल हैं, दोनों ही अपराध में इस्तेमाल किए गए थे।

जानकारी के अनुसार, पीड़ित गुरविंदर सिंह को 28 जनवरी, 2026 को जिला अदालत परिसर, मोहाली के बाहर उनकी पार्क की गई कार के पास अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया था। उनकी पत्नी, शिकायतकर्ता अमरदीप कौर ने विदेशी गैंगस्टर सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ की संलिप्तता पर संदेह जताया था, जो कथित तौर पर उनके पति को धमकी दे रहा था।

एसएसपी हरमनदीप हंस ने कहा कि जांच के दौरान सीसीटीवी विश्लेषण से पता चला है कि दो मुलजिम एक काले पल्सर मोटरसाइकिल पर आए, गोलीबारी की और बाद में कपड़े बदलकर सफेद होंडा अमेज़ कार में फरार हो गए। तकनीकी और मानव खुफिया जानकारी के आधार पर यह सामने आया कि अपराध की योजना गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने अपने साथियों विक्की सिंह उर्फ विक्की सत्तेवाला और रवि कुमार उर्फ रवि फरीदकोटिया, जो इस समय विदेश में हैं, की मदद से बनाई थी।

एसएसपी ने आगे कहा कि गिरफ्तार मुलजिमों के खुलासे पर पुलिस ने अपराध में इस्तेमाल किया गया काला बजाज पल्सर मोटरसाइकिल और सफेद होंडा अमेज़ कार बरामद की है।

किश्तवाड़ के ऊंचाई वाले इलाकों में मुठभेड़, एक संदिग्ध आतंकी ढेर

जम्मू- जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में बर्फ से ढके ऊंचे इलाकों में बुधवार शाम को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी में एक संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पिछले 18 दिनों में चतरू क्षेत्र में यह पांचवीं मुठभेड़ है, क्योंकि सेना और पुलिस, जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) संगठन से जुड़े पाकिस्तानी आतंकवादियों के एक समूह की तलाश कर रही है। किश्तवाड़ क्षेत्र में आतंकवादियों की निरंतर खोज और उनके खात्मे के लिए घने जंगलों और दुर्गम इलाकों में तलाशी अभियान के दौरान कई मुठभेड़ें हुई हैं।

इसी क्रम में आज शाम लगभग 5.45 बजे किश्तवाड़ के दिच्छर क्षेत्र में 'काउंटर-इंसर्जेंसी फोर्स डेल्टा', व्हाइट नाइट कोर, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों द्वारा संचालित संयुक्त अभियान (त्राशी-1) में आतंकवादियों से सामना हुआ। सेना के व्हाइट नाइट कोर्प ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि एक आतंकवादी को सफलतापूर्वक मार गिराया गया है। अभियान जारी है। मुठभेड़ फिर से तब शुरू हुई जब एक संयुक्त दल चिंगम जंगल के संजिनाला-दिच्छर में तलाशी अभियान संचालित कर रहा था।

चतरू क्षेत्र के पूरी तरह से बर्फ से ढके होने के बावजूद, सेना ने 18 जनवरी को मन्द्रल-सिंहपोरा के पास सोनार गांव में हुई पहली गोलीबारी के बाद आतंकवादियों का पीछा करना जारी रखा, जिसके परिणामस्वरूप एक पैराट्रूपर शहीद हो गया व सात सैनिक घायल हो गए। हालांकि, घने जंगल और दुर्गम भूभाग का फायदा उठाते हुए आतंकवादी भागने में कामयाब रहे, लेकिन 22 जनवरी को उन्हें पकड़ लिया गया था।

रुद्रप्रयाग में 5 वर्षीय बच्चे और नैनीताल में बुजुर्ग महिला पर किया हमला, शव बरामद

रुद्रप्रयाग/नैनीतालः उत्तराखंड में तेंदुओं के हमलों की दो अलग घटनाओं में एक बुजुर्ग महिला और एक पांच वर्षीय बच्चे की मौत हो गयी। अधिकारियों ने बताया कि रुद्रप्रयाग जिले के सिंद्रवाणी गांव में मंगलवार दोपहर अपने घर के आंगन में खेल रहे पांच वर्षीय एक बच्चे को एक तेंदुआ उठाकर जंगल की ओर भाग गया।

अधिकारियों ने बताया कि सूचना पर जिला प्रशासन और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचीं और बच्चे की तलाश शुरू की। उन्होंने बताया कि कई घंटे की लंबी तलाश के बाद बच्चे का क्षत विक्षत शव देर रात बरामद किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि तलाश अभियान का नेतृत्व करने वाले रुद्रप्रयाग के उप जिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी ने बताया कि सात टीम द्वारा लगातार अभियान चलाया गया जिसके बाद रात 11 बजे जंगल से बच्चे का शव बरामद किया गया।

उन्होंने बताया कि बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि बच्चे की पहचान दक्ष बिष्ट के रूप में हुई है। सैनी ने बताया कि तेंदुए के संभावित खतरे को देखते हुए विभिन्न स्थानों पर पिंजरे लगाए जाएंगे और वन विभाग की एक टीम क्षेत्र में लगातार गश्त करेगी।

उधर, रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन ने बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए क्षेत्र के आठ स्कूल में अगले दो दिनों के लिए अवकाश घोषित कर दिया है। एक अन्य घटना में, नैनीताल जिले में भीमताल के जूना स्टेट क्षेत्र में एक तेंदुए के हमले में 60 वर्ष की एक महिला की मौत हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि गंगा देवी सोमवार को अपने मवेशियों के लिए चारा लेने जंगल में गयी थी लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटी जिसके बाद ग्रामीणों ने उसकी तलाश शुरू की। अधिकारियों ने बताया कि काफी तलाश के बाद महिला का शव मंगलवार सुबह जंगल के काफी अंदर से बरामद हुआ जिस पर तेंदुए के हमले के स्पष्ट निशान थे।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में पिछले काफी समय से तेंदुए की सक्रियता देखी जा रही है लेकिन वन विभाग ने अभी तक उसे पकड़ने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। उन्होंने क्षेत्र में पिंजरा लगाए जाने की मांग की। नथुवाखान वन रेंज के रेंज अधिकारी विजय भटट ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गयीं।

पंजाब सरकार व्यापारियों के मुद्दों के समाधान के लिए तीन-स्तरीय पंजाब राज्य व्यापारी आयोग को और मजबूत करेगी: हरपाल सिंह चीमा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राज्य भर में व्यापार करने में आसानी को और मजबूत करने के लिए पंजाब सरकार के प्रयासों के हिस्से के रूप में पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी और कराधान मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आज पंजाब राज्य व्यापारी आयोग (पीएसटीसी) की एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। पंजाब भवन में आयोजित यह बैठक व्यापारी समुदाय के साथ संबंधों को और मजबूत करने, शिकायत निवारण व्यवस्था को बेहतर बनाने और जिला स्तर पर तकनीकी क्षमता बढ़ाने पर केंद्रित रही।

पीएसटीसी के चेयरमैन के रूप में बैठक को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि हमारा उद्देश्य एक मजबूत तीन-स्तरीय व्यवस्था स्थापित करना है जो व्यापारी समुदाय को सीधे प्रशासन से जोड़ती है, ताकि पंजाब के प्रत्येक व्यापारी को समय पर सहायता मिल सके और उनकी चिंताओं का पता लगाकर उनका समाधान किया जा सके।

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने जिला व्यापार समिति के चेयरमैनों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापारियों से सक्रिय रूप से जुड़ें और जमीनी स्तर के मुद्दों पर फीडबैक लें। उन्होंने स्थानीय शिकायतों के त्वरित निपटारे को सुनिश्चित करने के लिए 10 और 11 फरवरी को विशेष जिला-स्तरीय शिविर लगाने की घोषणा भी की। उन्होंने आगे कहा कि जिला व्यापार समिति के चेयरमैनों को व्यापारियों तक सक्रिय रूप से पहुंचना चाहिए और उनकी समस्याओं को समझना चाहिए।

वित्त मंत्री ने आगे निर्देश दिया कि जिला स्तर पर हल हो सकने वाले मुद्दों को व्यवस्थित रूप से दस्तावेजी रूप में दर्ज किया जाए और शीघ्र समाधान के लिए पंजाब राज्य व्यापारी आयोग को भेजा जाए। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर पर कार्रवाई की आवश्यकता वाले जटिल मामले या फीडबैक को उचित तरीके से सूचीबद्ध करके आयोग के साथ साझा किया जाना चाहिए ताकि प्रभावी और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किए जा सकें।

इस बैठक में पीएसटीसी के उप-चेयरमैन अनिल ठाकुर, वित्तीय आयुक्त कराधान अजीत बालाजी जोशी और कराधान आयुक्त जतिंदर जोरवाल शामिल हुए। इस विचार-विमर्श के दौरान व्यापार समितियों के तकनीकी सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया। वित्तीय आयुक्त कराधान अजीत बालाजी जोशी और कराधान आयुक्त जतिंदर जोरवाल ने जीएसटी फाइलिंग से संबंधित प्रमुख तकनीकी पहलुओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी, जिसका उद्देश्य जिला समिति सदस्यों को नियामक आवश्यकताओं का पालन करने में व्यापारियों की सहायता के लिए आवश्यक जानकारी से लैस करना है।

इस पहल के पीछे व्यापक दृष्टिकोण को दोहराते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि यह तीन-स्तरीय व्यवस्था पंजाब में व्यापार के लिए एक सुगम और जवाबदेह वातावरण सृजित करने के लिए तैयार की गई है।

- **पूरे राज्य में 10 और 11 फरवरी को व्यापारियों की शिकायतों के निपटारे के लिए विशेष जिला-स्तरीय शिविर लगाए जाएंगे: हरपाल सिंह चीमा**

आरोन जॉर्ज का शतक, भारत अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में

हरारे- भारत ने आरोन जॉर्ज (115 रन) के शानदार शतक के साथ आईपीएल स्टार वैभव सूर्यवंशी (68 रन) और आयुष म्हात्रे (62 रन) की धमाकेदार अर्धशतकीय पारियों की मदद से बुधवार को यहां अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया। भारत अब शुक्रवार को यहां फाइनल में इंग्लैंड से भिड़ेगा। यह अंडर-19 टूर्नामेंट में भारत का 10वां फाइनल होगा।

अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए फैसल शिनोजादा (110) और उजैरुल्लाह नियाजई (101) के शतकों की मदद से 310 रन बनाए। भारत ने यह लक्ष्य 41.1 ओवर में ही हासिल कर लिया। इस तरह अंडर-19 विश्व कप में भारत ने अब तक के सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा किया। आरोन (104 गेंद, 15 चौके, दो छक्के) ने बेहतरीन शॉट्स की मदद से शतक जड़ा। उन्हें सूर्यवंशी (33 गेंद, नौ चौके, चार छक्के) और म्हात्रे (59 गेंद, पांच चौके, चार छक्के) का पूरा साथ मिला, जिससे भारत का रन-रेट पूरे समय सात से ऊपर ही रहा।

सूर्यवंशी ने अपने चिर परिचित अंदाज में बाउंड्री की झड़ी लगाकर पारी को शानदार शुरुआत दी, जिसमें ऑफ-स्पिनर वाहिदुल्लाह जादरान के खिलाफ उन्होंने कई बेहतरीन शॉट्स लगाए।

इसमें किस्मत ने भी उनका साथ दिया क्योंकि नियाजाई ने अब्दुल अजीज की गेंद पर बाएं हाथ के इस बल्लेबाज का कैच छोड़ दिया, तब वह 22 रन पर थे। इसके बावजूद सूर्यवंशी ने काफी आक्रामक बल्लेबाजी की।

लोकसभा से निलंबित कांग्रेस सदस्यों का संसद के मकर द्वार पर प्रदर्शन

नयी दिल्ली- लोकसभा से निलंबित कांग्रेस के आठों सदस्यों ने बुधवार को संसद भवन के मकर द्वार के बाहर प्रदर्शन किया और अपने निलंबन को गलत बताते हुए इसके विरोध में नारेबाजी की।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही स्थगित होने के बाद विरोध कर रहे अपनी पार्टी की सांसदों के साथ उनके विरोध प्रदर्शन में खड़ी हो गई। इस दौरान लोकसभा की कार्यवाही हंगामे के कारण स्थगित होने के बाद बाहर आ रहे कांग्रेस के अन्य कई सांसद भी विरोध प्रदर्शन कर रहे अपने साथी सांसदों के साथ खड़े हो गए। गौरतलब है कि मंगलवार को आसन की तरफ अभद्र व्यवहार करने के आरोप में अध्यक्ष ओम बिरला ने कांग्रेस के इन सभी सदस्यों को बजट सत्र के लिए निलंबित कर दिया था।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को ही संसद परिसर में अपने निलंबित सहयोगियों के साथ उनका समर्थन करते हुए उनके निलंबन के खिलाफ प्रदर्शन किया था।

भारत 21वीं सदी की सबसे प्रभावशाली उभरती ताकतों में से एक बना: यूएई मीडिया रिपोर्ट

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेताओं की लिस्ट में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम टॉप पर है। पीएम मोदी की ये लोकप्रियता भारत को लेकर उनके दृष्टिकोण और नेतृत्व की वजह से है। इसका ताजा उदाहरण संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खलीज टाइम्स की एक रिपोर्ट से साफ जाहिर है। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत जिस रफ्तार के साथ आगे बढ़ रहा है, दुनिया के तमाम देश इसकी गवाह हैं। यूएई के खलीज टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले एक दशक में भारत ने आर्थिक और सामाजिक बदलाव देखा है। भारत में आए इस बदलाव ने देश को 21वीं सदी की सबसे प्रभावशाली उभरती ताकतों में से एक बना दिया है। भारत के विकास की कहानी सिर्फ कुछ मेट्रोपॉलिटन शहरों या क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रही है, बल्कि यह कई राज्यों में फैली हुई है। गुजरात ने पोर्ट्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर्स और नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश का फायदा उठाकर एक इंडस्ट्रियल और लॉजिस्टिक्स हब के तौर पर अपनी भूमिका को मजबूत करना जारी रखा है।

सरकार जिस किताब के लिए कहती है कि छपी ही नहीं, वही पुस्तक मैं मोदी जी को भेंट करूंगा : राहुल

नयी दिल्ली- कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि जिस पुस्तक के उद्धरण बोलने से उन्हें यह कहते हुए संसद में रोका जा रहा है कि यह पुस्तक छपी ही नहीं है, तो आज यह पुस्तक उनके हाथ में है और इसे वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेंट करना चाहेंगे।

श्री गांधी ने संसद भवन परिसर में लोकसभा से निलंबित आठ कांग्रेस सांसदों के संसद भवन के मकर द्वार पर धरने पर बैठने के बाद बुधवार को पत्रकारों से कहा कि जिस पुस्तक में लिखे अंशों का वह लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान जिक्र करना चाहते हैं, सरकार की तरफ से कहा जा रहा है कि ये तथ्य अप्रमाणिक हैं और पुस्तक प्रकाशित ही नहीं हुई है। उन्होंने पत्रकारों को पुस्तक की प्रति दिखाते हुए सवाल किया कि किस आधार पर सरकार के वरिष्ठ मंत्री कह रहे हैं कि पुस्तक छपी ही नहीं है।

उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर भी इसे लेकर एक पोस्ट में कहा 'आज अगर प्रधानमंत्री संसद में आते हैं, तो मैं उन्हें एक किताब भेंट करूंगा। यह किताब किसी विपक्षी नेता की नहीं है। यह किताब किसी विदेशी लेखक की नहीं है। यह किताब है देश के पूर्व सेना प्रमुख जनरल नरवणे की -और हैरानी की बात यह है कि यह किताब कैबिनेट मंत्रियों के हिसाब से मौजूद ही नहीं है।'

श्री गांधी ने कहा कि इस किताब में साफ़ लिखा है कि जब चीनी सेना हमारी सीमा में घुस आई थी, ऐसी नाजुक घड़ी में सेना प्रमुख को इंतजार करवाया। और जब निर्णय लेने का वक़्त आया, तो प्रधानमंत्री ने बस इतना कहा - 'जो आपको उचित लगे, वो कीजिए।'यानी देश की सुरक्षा के सबसे गंभीर संकट में, श्री मोदी जी ने राजनीतिक ज़िम्मेदारी से हाथ खड़े कर लिए।

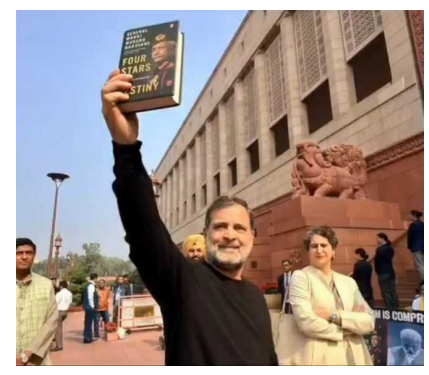

उन्होंने कहा कि जनरल नरवणे खुद लिखते हैं कि उस समय उन्हें महसूस हुआ कि राजनीतिक नेतृत्व ने सेना को अकेला छोड़ दिया। यही वह सच्चाई है जिसे बोलने से उन्हें संसद में रोका जा रहा है। देश सवाल पूछ रहा है और सरकार जवाब देने से भाग रही है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी बाद में राहुल गांधी के हाथ में प्रकाशित पुस्तक की फोटो पोस्ट करते हुए सोशल मीडिया एक्स पर कहा ''ये पूर्व सेनाध्यक्ष नरवणे जी की किताब है। सरकार कह रही है कि ये किताब है ही नहीं और आप इसे कोट नहीं कर सकते। इसमें नरवणे जी ने लिखा है कि लद्दाख में चीन की सेना हमारे क्षेत्र में घुस रही थी। सेनाध्यक्ष ने राजनाथ जी से पूछा कि क्या करना है। पहले कोई जवाब नहीं दिया।

मोदी सरकार 3.0 द्वारा पेश किया गया बजट केवल एक वित्तीय दस्तावेज़ नहीं, बल्कि विकसित भारत की तस्वीर पेश करता है - मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही 3.0 केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में पेश किया गया दूसरा बजट केवल एक वित्तीय दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि यह उस भारत की तस्वीर पेश करता है जो आत्मनिर्भर है, प्रतिस्पर्धी है और सामाजिक रूप से संवेदनशील भी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह बजट 'विकास भी, विश्वास भी' के सिद्धांत पर आधारित है और हरियाणा जैसे अग्रणी राज्य के लिए इसमें अपार अवसर निहित हैं।

मुख्यमंत्री बुधवार को हरियाणा निवास पर पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान केंद्रीय बजट 2026–27 की भावना, दिशा और उसके महत्वपूर्ण पहलुओं पर अपनी बात रखते हुए केंद्र सरकार के बजट का हरियाणा पर पड़ने वाले प्रत्यक्ष प्रभावों को भी बताया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यह बजट उस भारत की सोच को दर्शाता है, जहां विकास का मतलब केवल बड़े शहर नहीं, बल्कि गांव, किसान, महिला, युवा और श्रमिक भी हैं। जहां, अर्थव्यवस्था मजबूत हो, लेकिन समाज का अंतिम व्यक्ति भी सुरक्षित और सम्मानित महसूस करे।

उन्होंने कहा कि इस बजट में विकसित भारत के स्तंभ गरीब, युवा, महिला और किसान को केंद्र में रखा गया है। और यही प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में हमारी विकास नीति का भी मूल मंत्र है। इस बजट का मूल उद्देश्य है, संदेह के स्थान पर एक्शन, दिखावे के स्थान पर सुधार और लोक-लुभावन घोषणाओं के स्थान पर जनहित को प्राथमिकता। सरकार ने इस बजट में लगभग 7 प्रतिशत की उच्च आर्थिक विकास दर को लक्ष्य बनाते हुए राजकोषीय अनुशासन और सामाजिक न्याय, दोनों के बीच संतुलन साधा है।

- **16वें वित्त आयोग की अवधि में हरियाणा को करीब एक लाख करोड़ रुपये केंद्रीय करों से प्राप्त होंगे**
- **केंद्रीय बजट से हरियाणा को मिलने वाले लाभ के पहलुओं को मुख्यमंत्री ने रखा सामने**

12 लाख 20 हजार करोड़ रुपये तक बढ़ाया गया पूंजीगत व्यय

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेश किए गए बजट में देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए सार्वजनिक पूंजीगत व्यय को लगभग 12 लाख 20 हजार करोड़ रुपये तक बढ़ाया गया है। यह निवेश सड़कों, रेल, शहरी अवसंरचना, औद्योगिक कॉरिडोर और लॉजिस्टिक्स को मजबूत करेगा। इसका सीधा लाभ हरियाणा को मिलेगा, क्योंकि हमारा राज्य दिल्ली-एनसीआर, औद्योगिक गलियारों और राष्ट्रीय राजमार्गों का केंद्र है। इस निवेश से न केवल विकास कार्य तेज होंगे, बल्कि लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

युवाओं के लिए विशेष योजना बनाई गई है

उन्होंने कहा कि बजट में युवाओं के लिए क्या है? इस पर बड़ी चर्चा हो रही है। केंद्र सरकार हमारे युवाओं को देश की सबसे बड़ी पूंजी मानती है। युवा कौशल विकास व शिक्षा क्षेत्र के लिए 1 लाख 39 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। देश के 1 लाख 50 हजार से अधिक युवाओं को नई उम्र की स्किल्स का प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। इसलिए, केंद्रीय बजट में कौशल विकास, रोजगार और भविष्य की तकनीकों के लिए 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, बायोटेक और साइबर सिक्योरिटी जैसी तकनीकों के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का विशेष फंड रखा गया है। इसका सीधा लाभ गुरुग्राम, फरीदाबाद, पंचकूला और रोहतक जैसे शैक्षणिक व तकनीकी केंद्रों को मिलेगा, जहां हमारे युवा विश्व-स्तरीय अति-आधुनिक कौशल सीखकर उच्च-आय रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टार्टअप और उद्यमिता के लिए भी 7,500 करोड़ रुपये के प्रावधान से हरियाणा का स्टार्टअप इकोसिस्टम और मजबूत होगा।

प्रदेश पुलिस सबसे आधुनिक, तेज और भरोसेमंद पुलिस: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने 1253 कांस्टेबलों को प्रदान किये नियुक्ति पत्र

आगामी दो महीनों में 800 और कांस्टेबलों की भर्ती की जाएगी

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज कांगड़ा जिला के पुलिस कॉलेज डरोह में 'रोजगार संकल्प मेले' के दौरान नवनियुक्त 1253 कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि इस बार पुलिस भर्ती पूरी पारदर्शिता के साथ की गई है, जबकि पिछली भाजपा सरकार के कार्यकाल में पुलिस भर्ती के पेपर लीक हुए और पिछली सरकार को युवाओं के दबाव में भर्ती प्रक्रिया को रद्द करना पड़ा। उन्होंने कहा वर्तमान सरकार ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए इस बार पुलिस की भर्ती के पेपर पुलिस विभाग से नहीं, बल्कि हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से करवाना सुनिश्चित किया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य सरकार आगामी दो महीनों के भीतर 800 और पुलिस कांस्टेबलों की भर्ती करेगी। उन्होंने कहा कि यह कदम हिमाचल प्रदेश पुलिस को और मजबूत करेगा तथा इससे कानून व्यवस्था को बेहतर तरीके से लागू करने में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज आप केवल नौकरी नहीं ले रहे हैं बल्कि आज आप एक जिम्मेदारी, एक पहचान और एक मिशन को स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश शांति, संस्कृति और देवभूमि के लिए जाना जाता है। आज सरकार ने नशे के विरुद्ध लड़ाई को एक जन आंदोलन बनाया है जिसकी सबसे सबसे मजबूत ताकत हिमाचल प्रदेश पुलिस है। उन्होंने कहा कि हिमाचल पुलिस देश की सबसे आधुनिक, सबसे तेज और सबसे भरोसेमंद पुलिस फोर्स में शामिल है। उन्होंने कहा कि आपातकालीन सेवा (ईआरएसएस-112) में औसत प्रतिक्रिया समय के मामले में हिमाचल पुलिस पूरे देश में पहले स्थान पर है जबकि सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टमस) में पहाड़ी राज्यों में हिमाचल प्रदेश लगातार प्रथम स्थान पर बना हुआ है। आईटीएसएसओ (इनवेस्टिगेशन ट्रैकिंग सिस्टम फॉर सैक्सुअल ओफेंसिसद्ध में हिमाचल पुलिस लगातार देश-भर में पांचवां स्थान प्राप्त कर रही है। श्री सुक्खू ने कहा कि हमारी सरकार पुलिस वर्दी की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पुलिस महानिदेशक को निर्देश दिए गए हैं कि देश की प्रतिष्ठित कंपनियों से उत्तम गुणवत्ता का कपड़ा लिया जाए। साथ ही, पुलिस कांस्टेबलों की यूनिफॉर्म ग्रांट बढ़ाने पर भी गंभीरता से विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष से सभी भूतपूर्व सैनिक 10 वर्ष की सेवा के बाद हॉनरेरी हैड कांस्टेबल और 15 वर्ष की सेवा के बाद हॉनरेरी सहायक सब इंस्पेक्टर बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कांस्टेबल से हेड-कांस्टेबल बनने के लिए बी-1 परीक्षा का निर्णय लिया गया था। उच्च न्यायालय में इस विषय में अंतरिम स्थगन है, लेकिन सरकार पूरी मजबूती से अपना पक्ष रखेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने चिट्टा माफिया के विरुद्ध एक लड़ाई छेड़ी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 में एनडीपीएस एक्ट के तहत 2149 मामले दर्ज किए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 25 प्रतिशत अधिक हैं। प्रदेश सरकार ने युवाओं को चिट्टे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरुक करने के लिए राज्य में जन-आंदोलन आरम्भ किया है तथा एंटी-चिट्टा अवेयरनेस वॉकथॉन इस जन-आंदोलन का एक प्रमुख स्तंभ हैं। इन वॉकथॉनों को हिमाचल प्रदेश पुलिस द्वारा बेहद सफलता के साथ आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने चिट्टे में संलिप्त 12 पुलिस कर्मियों को बर्खास्त किया है और चिट्टे में संलिप्त अन्य विभागों के कर्मचारियों को भी बर्खास्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर नशे के विरुद्ध शपथ भी दिलाई। पुलिस विभाग ने विभिन्न बचाव तकनीकों का प्रदर्शन भी किया। पुलिस महानिदेशक अशोक तिवारी ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए विभाग की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर कृषि मंत्री चौधरी चंद्र कुमार, विधायक किशोरी लाल व मलेंद्र राजन, हि.प्र. कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के चेयरमैन संजय सिंह चौहान, कांगड़ा सहकारी प्राथमिक कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के अध्यक्ष राम चंद्र पठानिया, एचआरटीसी उपाध्यक्ष अजय वर्मा, वूल फेडरेशन के चेयरमैन मनोज ठाकुर, एपीएमसी कांगड़ा के चेयरमैन निशु मोंगरा, उपायुक्त हेमराज बैरवा, एसपी अशोक रतन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

ग्राम सभाओं की निर्वाचक नामावली अंतिम रूप से प्रकाशित

सोलन। ज़िला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त सोलन द्वारा ज़िला की 243 ग्राम सभाओं में से 218 ग्राम सभाओं को निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन 03 फरवरी, 2026 को कर दिया गया है। यह जानकारी ज़िला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने दी। उन्होंने कहा कि निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन पंचायती राज (निर्वाचन) नियम, 1994 के नियम 21 (1) के अंतर्गत किया गया है। ज़िला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रथम अक्तूबर, 2025 की अर्हता तिथि के अनुसार निर्वाचन नामावली के प्रारूप प्रकाशन का कार्यक्रम जारी किया गया था। इसके अनुसार ज़िला सोलन की 239 ग्राम सभाओं के निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का प्रारूप प्रकाशन 06 अक्तूबर, 2025 को किया गया था। इसी तिथि के अनुसार आमजन से दावे व आक्षेप भी आमंत्रित किए गए थे। मनमोहन शर्मा ने कहा कि इन दावों एवं आक्षेपों का निपटारा करने के उपरांत ज़िला की 243 ग्राम सभाओं में से 218 ग्राम सभाओं की निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि विकास खण्ड कुनिहार की 56 ग्राम सभाओं में से 49 ग्राम सभाओं की निर्वाचक नामावली का प्रकाशन अंतिम रूप से किया गया है। उन्होंने कहा कि ग्राम सभा हाटकोट के पूर्ण रूप से नगर पंचायत में सम्मिलित होने, ग्राम सभा शहरोल, बड़ोग, हनुमान बड़ोग व दाडला ग्राम सभाओं का पुनर्गठन तथा ग्राम सभा कुनिहार व कोठी का नगर पंचायत गठन के दृष्टिगत निर्वाचक नामावली प्रकाशन नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि विकास खण्ड धर्मपुर की 26 ग्राम सभाओं में से 21 ग्राम सभाओं की निर्वाचक नामावली का प्रकाशन अंतिम रूप से किया गया है। उन्होंने कहा कि विकास खण्ड धर्मपुर में ग्राम सभा कामली एवं अम्बोटा के नगर पंचायत में सम्मिलित होने अथवा 06 अक्तूबर, 2025 के उपरांत गठन के दृष्टिगत ग्राम सभा टकसाल, चम्मो और जाबली ग्राम सभा के पुनर्गठन के कारण इनकी निर्वाचक नामावलियां अंतिम रूप से प्रकाशित नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि विकास खण्ड पट्टा की 25 ग्राम सभाओं में से 21 ग्राम सभाओं की निर्वाचक नामावली का प्रकाशन अंतिम रूप से किया गया है। उन्होंने कहा कि विकास खण्ड पट्टा में भटोलीकलां, हरिपुर संडोली, सूरजपुर और ग्राम सभा बरोटीवाला के नगर निगम क्षेत्र में सम्मिलित होने के कारण इनकी निर्वाचक नामावलियां अंतिम रूप से प्रकाशित नहीं की गई है। मनमोहन शर्मा ने कहा कि विकास खण्ड नालागढ़ की 73 ग्राम सभाओं में से 69 ग्राम सभाओं की निर्वाचक नामावली का प्रकाशन अंतिम रूप से किया गया है। उन्होंने कहा कि विकास खण्ड नालागढ़ में ग्राम सभा रत्योड के 06 अक्तूबर, 2025 के गठन अथवा नगर पंचायत में सम्मिलित होने के कारण तथा ग्राम सभा दभोटा के पुनर्गठन और ग्राम सभा थाना व मलपुर के नगर निगम अथवा नगर पंचायत क्षेत्र में सम्मिलित होने के कारण इनकी निर्वाचक नामावलियां अंतिम रूप से प्रकाशित नहीं की गई है। ज़िला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) ने कहा कि विकास खण्ड सोलन की 37 ग्राम सभाओं में से 34 ग्राम सभाओं की निर्वाचक नामावली का प्रकाशन अंतिम रूप से किया गया है। उन्होंने कहा कि विकास खण्ड सोलन की ग्राम सभा सुल्तानपुर, बड़ोग व बोहली के पुनर्गठन के कारण इनकी निर्वाचक नामावलियां अंतिम रूप से प्रकाशित नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि विकास खण्ड कण्डाघाट की 26 ग्राम सभाओं में से 24 ग्राम सभाओं की निर्वाचक नामावली का प्रकाशन अंतिम रूप से किया गया है।

मुख्यमंत्री ने किया कैथू में एचपीएससीबी की नई शाखा का उद्घाटन

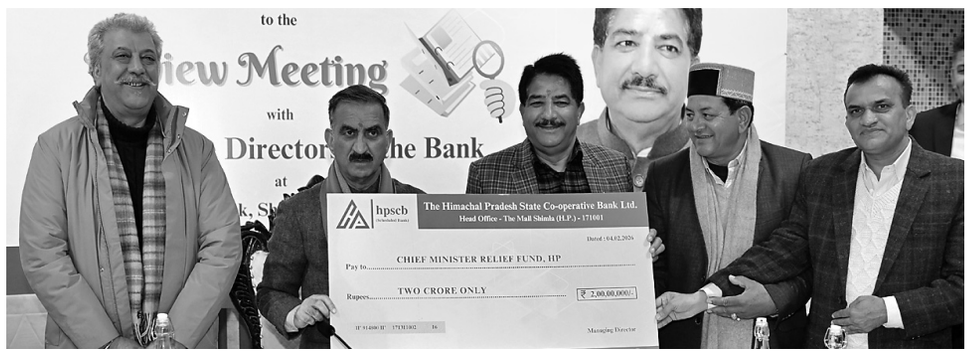

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज कैथू में हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक की नव-स्थापित शाखा का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि राज्य में सहकारी बैंकिंग नेटवर्क को मजबूत करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। राज्य सरकार वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और समाज के सभी वर्गों तक सुलभ बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सहकारी बैंक हिमाचल प्रदेश के किसानों, छोटे व्यापारियों, स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण उद्यमियों को सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सहकारी संस्थाओं के विकास और सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि राज्य सरकार की जमा राशि हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक में रखी जानी चाहिए ताकि राज्य में सहकारी बैंकिंग प्रणाली की वित्तीय मजबूती और स्थिरता को और अधिक बढ़ावा मिल सके।

ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने एचपीएससीबी के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि बैंक आम लोगों की सेवा की मूल भावना को बनाए रखते हुए आधुनिक, प्रौद्योगिकी-आधारित बैंकिंग सेवाओं के विस्तार के लिए निरंतर सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि कैथू शाखा स्थानीय लोगों की वित्तीय आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से पूरा करेगी और आर्थिक विकास में योगदान देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि एचपीएससीबी राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं जैसे ई-टैक्सी योजना को लागू करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक ने मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए 2 करोड़ रुपये का चेक भेंट किया। मुख्यमंत्री ने बैंक के इस उदार योगदान के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह वित्तीय सहायता प्रभावितों को राहत प्रदान करने तथा राज्य में प्राकृतिक आपदाओं और अन्य आपात स्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने में अत्यंत सहायक साबित होगी।

एचपीएससीबी के प्रबंध निदेशक श्रवण मांटा ने बैंक की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि बैंक ने लगातार अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत किया है तथा बैंक के नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्राहकों की सुविधा के लिए बैंक ने डिजिटल बैंकिंग समाधानों को शुरू किया है। इस अवसर पर विधायक हरीश जनारथा, शिमला नगर निगम के महापौर सुरेन्द्र चौहान, सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार डी.सी. नेगी, बैंक के अध्यक्ष देवेंद्र श्याम सहित अन्य गणमान्य भी उपस्थित थे।

अंतर-राज्य युवा आदान प्रदान कार्यक्रम के दूसरे दिन मानसिक स्वास्थ्य, नशा मुक्ति एवं कौशल विकास पर रहा विशेष फोकस

धर्मशाला। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत मेरा युवा भारत द्वारा आयोजित पांच दिवसीय अंतर-राज्य युवा आदानदृप्रदान कार्यक्रम के अवसर पर कल सायं द्वितीय दिवस पर राजस्थान से आए 35 युवाओं ने स्वास्थ्य, आत्मविकास एवं सांस्कृतिक सहभागिता से जुड़ी विविध गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन आरएचएफडब्ल्यूटीसी, छेब, कांगड़ा में किया जा रहा है। दिन की शुरुआत प्रातः योग सत्र से हुई, जिसमें प्रतिभागियों को शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक संतुलन बनाए रखने के महत्व से अवगत कराया गया। इसके उपरांत जोनल अस्पताल धर्मशाला की मनोवैज्ञानिक डॉ. ज्योति शर्मा द्वारा मेंटल वेल बीइंग एवं साइकोलॉजिकल रेसिलिएंस विषय पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। उन्होंने युवाओं को तनाव प्रबंधन, भावनात्मक संतुलन तथा सकारात्मक सोच के व्यावहारिक उपायों से परिचित कराया। इसके पश्चात नशा मुक्त भारत अभियान एवं टोबैको फ्री हिमाचल विजनदृ2047 विषय पर नोबल कम्युनिटी फाउंडेशन, कांगड़ा के अध्यक्ष एवं युवा आइकन मंगल सिंह ने युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने नशे के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से स्वयं नशामुक्त रहने और समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। दोपहर सत्र में युवा आइकन एवं उद्यमी संदीप चैधरी द्वारा कौशल विकास एवं प्रेरणा विषय पर संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया। उन्होंने युवाओं को आत्मनिर्भर बनने, उद्यमिता अपनाने तथा करियर निर्माण के विभिन्न अवसरों की जानकारी दी। इसके उपरांत आर्ट ऑफ लिविंग, कांगड़ा के आचार्य अनुराग अरोड़ा द्वारा डीप ब्रीदिंग एवं मेडिटेशन सत्र का आयोजन किया गया, जिससे युवाओं ने आंतरिक शांति, एकाग्रता एवं आत्मनियंत्रण के व्यावहारिक अभ्यास सीखे। सांयकालीन सत्र में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं बोनफायर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें राजस्थान एवं हिमाचल प्रदेश के युवाओं ने अपनी-अपनी लोक संस्कृति की मनमोहक झलक प्रस्तुत की। इस सांस्कृतिक आदानदृप्रदान ने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को और अधिक सशक्त किया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए उप-निदेशक, मेरा युवा भारत कांगड़ा ध्रुव डोगरा ने बताया कि इस अंतर-राज्य युवा आदानदृप्रदान कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को मानसिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक रूप से सशक्त बनाना है, ताकि वे राष्ट्र निर्माण में सक्रिय और सकारात्मक भूमिका निभा सकें। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में प्रतिभागियों के लिए शैक्षिक भ्रमण, साहसिक गतिविधियां तथा समापन समारोह आयोजित किए जाएंगे, जिससे युवाओं को और अधिक समृद्ध एवं प्रेरणादायक अनुभव प्राप्त होंगे।

मुख्यमंत्री ने गुणवत्तापूर्ण दवाएं सुनिश्चित करने के लिए नई आवश्यक औषधि सूची तैयार करने के दिए निर्देश

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने मंगलवार देर सायं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में मरीजों को गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध करवाने के लिए नई आवश्यक औषधि सूची (एसेंशियल ड्रग्स लिस्ट) तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस नई सूची की समीक्षा एक उच्च स्तरीय समिति द्वारा की जाएगी और दवाओं की खरीद सीधे निर्माता कंपनियों से की जाएगी, जिसके लिए आवश्यक प्रावधान किए जाएंगे। निर्माताओं से दवाओं की सीधी खरीद से बिचौलियों के कारण होने वाली देरी को समाप्त करने और अधिक पारदर्शी आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने में बल मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों को उपलब्ध की जाने वाली दवाओं की सैंपलिंग और गुणवत्ता जांच की व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा। इसके लिए राज्य के प्रत्येक चिकित्सा महाविद्यालय में एक समर्पित सेल स्थापित किया जाएगा तथा राज्य सरकार पर्याप्त स्टाफ, प्रशिक्षण और आवश्यक उपकरण उपलब्ध करवाएगी। प्रथम चरण में आईजीएमसी शिमला और डॉ. राजेन्द्र प्रसाद राजकीय आयुर्विज्ञान महाविद्यालय टांडा में यह सेल स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मरीजों के स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। श्री सुक्खू ने यह भी निर्देश दिए कि हिमाचल प्रदेश में दवा निर्माता कंपनियों द्वारा निर्मित दवाओं की गुणवत्ता जांच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को राज्य में भारत के औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 की अनुसूची-एम के प्रावधानों को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए। बैठक में सचिव स्वास्थ्य एम. सुधा देवी, विशेष सचिव अश्विनी कुमार, निदेशक आयुष निपुण जिंदल, निदेशक चिकित्सा शिक्षा डॉ. राकेश शर्मा, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. गोपाल बेरी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कामगार कल्याण बोर्ड में पंजीकरण कर योजनाओं का लाभ उठाएं श्रमिक : केवल सिंह पठानिया

● मैटी पंचायत के वंडी चौक में श्रमिक पंजीकरण एवं जागरूकता शिविर का आयोजन

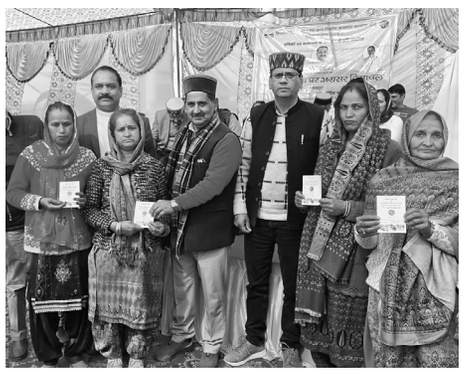

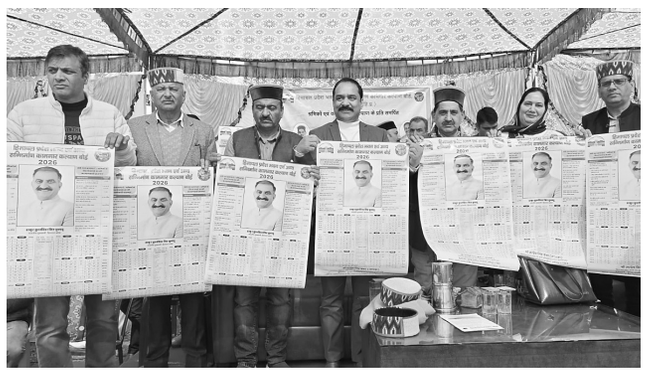

शाहपुर। शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मैटी पंचायत के वंडी चौक में हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड के तत्वावधान में पंजीकरण एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में श्रमिकों को बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया मुख्यातिथि तथा कामगार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष नरदेव कंवर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में केवल सिंह पठानिया ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा कामगार कल्याण बोर्ड के माध्यम से 14 विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ श्रमिक पंजीकरण करवाकर प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष में न्यूनतम 90 दिन कार्य करने वाला कोई भी श्रमिक पंजीकरण के लिए पात्र है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की करुणामयी सोच के चलते श्रमिकों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए योजनाओं में समय-समय पर सुधार किया जा रहा है। उन्होंने बोर्ड को सुझाव दिया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक समन्वयक नियुक्त किया जाए, ताकि योजनाओं का ग्रामीण स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित हो सके। उपमुख्य सचेतक ने कहा कि भविष्य में धारकंडी एवं चंगर क्षेत्र में भी ऐसे शिविर आयोजित किए जाएं, जिससे अधिक से अधिक श्रमिकों को योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने अध्यक्ष नरदेव कंवर की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में बोर्ड ने नई पहचान बनाई है। कामगार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष नरदेव कंवर ने कहा कि प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा में इस प्रकार के शिविर लगाए जा रहे हैं, जबकि जिला कांगड़ा में यह आठवां शिविर है। उन्होंने बताया कि उनके कार्यकाल में अब तक बोर्ड द्वारा लगभग 81 करोड़ रुपये की सहायता विभिन्न श्रमिकों को प्रदान की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि हाल ही में मुख्यमंत्री द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि श्रमिकों के बच्चों की उच्च शिक्षा की संपूर्ण फीस बोर्ड द्वारा वहन की जाएगी। साथ ही हिमकेयर कार्ड बनवाने एवं पेंशन राशि बढ़ाने की दिशा में भी निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने पंजीकरण प्रक्रिया एवं योजनाओं का लाभ लेने की विस्तृत जानकारी भी दी। जिला श्रम कल्याण अधिकारी लोकेश शर्मा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए जिले में संचालित योजनाओं की जानकारी साझा की। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में नटराज नाट्य दल द्वारा गीत-संगीत एवं लघु नाटिका के माध्यम से योजनाओं का प्रभावी प्रचार किया गया। शिविर में 51 श्रमिकों का पंजीकरण कर उन्हें कार्ड वितरित किए गए। साथ ही कामगार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं के कैलेंडर एवं प्रचार सामग्री भी वितरित की गई। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता जलशक्ति अमित डोगरा, बीडीओ रैत कमलजीत, लेबर ऑफिसर अमित चौधरी, अधिशासी अभियंता विद्युत अमित शर्मा, इंटक जिलाध्यक्ष संजय सैनी, उपमुख्य सचेतक के सलाहकार विनय,सादिक खान, पूर्व प्रधान साजद बेगम, सुभाष नांगला रविन्द्र, पूर्व प्रधान हंसराज, निदेशक राजेश राजा, वीना शर्मा, रीना पठानिया, सरिता सैनी, अनिता, मधु सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

पेंशनधारक 15 फरवरी से पूर्व अपना (ई-केवाईसी) सत्यापन करवाना करें सुनिश्चित

शिमला। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के प्रवक्ता ने आज यहां जानकारी दी कि विभाग द्वारा प्रदेश में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के लाभार्थियों का ऑनलाइन माध्यम से ई-केवाईसी सत्यापन सुनिश्चित करने के लिए एक मोबाइल ऐप तैयार करने का निर्णय लिया गया था ताकि सभी पात्र पेंशनरों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन सुचारू रूप से उनके बैंक या डाकघर के बचत खातों में वितरित की जा सके। विभाग द्वारा सभी सामाजिक सुरक्षा पेंशन लाभार्थियों का सत्यापन (ई-केवाईसी) जिला कल्याण अधिकारी व तहसील कल्याण अधिकारी माध्यम से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के सहयोग से जुलाई, 2025 में आरम्भ किया गया था।

उन्होंने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत सभी लाभार्थियों का ई-केवाईसी सत्यापन पूरा करने की अंतिम तिथि 31 जनवरी, 2026 निर्धारित की गई थी। जिन पेंशन धारकों ने निर्धारित अवधि में अपना ई-केवाईसी सत्यापन नहीं करवाया है, उनकी पेंशन विभाग द्वारा अस्थायी तौर पर रोक दी गई है। विभाग द्वारा सभी सामाजिक सुरक्षा पेंशन लाभार्थियों से अपील की गई है कि जिन्होंने अपनी ई-केवाईसी सत्यापन अभी तक नहीं करवाया है वे अपने नजदीकी आगंनवाड़ी केन्द्र अथवा सम्बन्धित तहसील कल्याण अधिकारी कार्यालय में जाकर 15 फरवरी, 2026 से पूर्व सभी आवश्यक दस्तावेजों सहित अपना (ई-केवाईसी) सत्यापन करवाना सुनिश्चित करें।

उन्होंने बताया कि इस अंतिम अवसर के उपरान्त, पेंशन लाभार्थी द्वारा अपनी ई-केवाईसी सत्यापित नहीं करने की स्थिति में यह समझा जाएगा कि पेंशनर अनुपलब्ध है अथवा सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्राप्त करने हेतु पात्र नहीं है तत्पश्चात् उनकी पेंशन स्थायी रूप से बंद कर दी जायेगी। इसके अतिरिक्त, यदि किसी असहाय पेंशनभोगी का आधार कार्ड नहीं बना है या उसे अपडेट करने की आवश्यकता है, तो वह आधार कार्ड अपडेट करवाने के लिए संबंधित तहसील कल्याण अधिकारी से संपर्क कर सकता है। प्रवक्ता ने बताया कि ई-केवाईसी सत्यापन हेतु आवश्यक जानकारी एवं समस्या निवारण के लिए लाभार्थी अपने नजदीकी जिला कल्याण अधिकारी, तहसील कल्याण अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, बाल विकास परियोजना पर्यवेक्षक तथा सम्बन्धित आंगनवाडी कार्यकर्ता से सम्पर्क कर सकते हैं।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO. HARHIN/2002/08034, Postal Regd. No. HR/AB/54/23-25, हिन्द जनपथ के लिए स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा बूथ नंबर 437-पी, सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित एवं इम्प्रैशन प्रिंटिंग एण्ड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लाट नं. 22, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, पंचकूला से मुद्रित। * सभी विवादों का न्यायाधिकार क्षेत्र पंचकूला होगा। Mob. 9915606900 email: hindjanpath@gmail.com, argarg 1610@gmail.com

न्यूज डायरी

गैंगस्टरां ते वार' का 16वाँ दिन: पंजाब पुलिस ने 689 स्थानों पर छापेमारी की; 232 गिरफ्तार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत शुरू की गई निर्णायक मुहिम 'गैंगस्टरां ते वार' को 16वें दिन भी जारी रखते हुए पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के सहयोगियों के चिह्नित और मैप किए गए 689 ठिकानों पर छापेमारी की।

जानकारी के अनुसार, 'गैंगस्टरां ते वार' - पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए निर्णायक जंग है, जिसकी शुरुआत पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा 20 जनवरी, 2026 को की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (ए.जी.टी.एफ.) पंजाब के पूर्ण समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्य भर में विशेष कार्रवाइयाँ कर रही हैं।

मुहिम के 16वें दिन पुलिस टीमों ने 232 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से दो तेजधार हथियार बरामद किए। इस प्रकार मुहिम की शुरुआत से अब तक कुल 4,628 गिरफ्तारियाँ की जा चुकी हैं।

इसके अलावा, 153 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई, जबकि 352 व्यक्तियों को तफ्तीश और पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। पुलिस टीमों ने कार्रवाई के दौरान 12 भगोड़े अपराधियों (पीओ) को भी गिरफ्तार किया है।

उन्होंने कहा कि लोग गुप्त रूप से वांछित अपराधियों/गैंगस्टरों के बारे में एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर-93946-93946 के माध्यम से रिपोर्ट कर सकते हैं और किसी भी प्रकार के अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों की सूचना/जानकारी साझा कर सकते हैं।

इस दौरान, पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' को 340वें दिन भी जारी रखा, जिसके तहत आज 135 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से 8.1 किलोग्राम हेरोइन, 2 किलोग्राम अफीम, 804 नशीली गोलियाँ/कैप्सूल और 10,750 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। साथ ही, मात्र 340 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 47,634 हो गई है। नशा छुड़ाने की मुहिम के हिस्से के रूप में, पंजाब पुलिस ने आज 23 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास इलाज करवाने के लिए राजी किया है।

वार्ड नंबर 20 की जनसमस्याओं को लेकर भाजपा युवा मोर्चा ने महापौर को सौंपा ज्ञापन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारतीय जनता युवा मोर्चा, चंडीगढ़ के प्रदेश उपाध्यक्ष अभय कुमार झा ने आज वार्ड नंबर 20 के अंतर्गत आते हल्लोमाजरा एवं दीप कॉम्प्लेक्स क्षेत्रों में व्याप्त गंभीर समस्याओं को लेकर महापौर सौरभ जोशी को ज्ञापन सौंपा।

अभय झा ने बताया कि हल्लोमाजरा और डीप कॉम्प्लेक्स में सीवरेज ओवरफ्लो, पेयजल एवं सफाई व्यवस्था की स्थिति अत्यंत चिंताजनक बनी हुई है। दोनों ही क्षेत्रों में प्रतिदिन सीवरेज का ओवरफ्लो हो रहा है, जिससे लगभग हर गली और सड़क पर गंदा पानी फैला रहता है। इसके कारण स्थानीय निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि लगातार सीवरेज ओवरफ्लो के चलते गंदा व दूषित पानी लोगों के घरों में घुस रहा है, जिससे क्षेत्र में बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं विशेष रूप से प्रभावित हो रहे हैं और आए दिन लोग बीमार पड़ रहे हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि कई परिवार अपने मकान बेचकर अन्य क्षेत्रों में स्थानांतरित होने को मजबूर हो रहे हैं, क्योंकि इन अस्वस्थ और असुरक्षित परिस्थितियों में रहना उनके लिए संभव नहीं रह गया है।

अभय झा ने कहा कि यह समस्या जनस्वास्थ्य एवं जनसुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। उन्होंने महापौर से आग्रह किया कि इस विषय पर तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों को निर्देश दिए जाएं, ताकि सीवरेज, पेयजल एवं सफाई से जुड़ी समस्याओं का स्थायी समाधान जल्द से जल्द किया जा सके।bसौरभ जोशी ने उन्हें आश्वासन दिया कि समस्या जल्द हल कराई जाएगी।

भगवंत सिंह मान सरकार ने पंजाब के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खोलने हेतु निवेश अभियान को और तेज किया

- **निवेश से रोजगार तक, भगवंत मान सरकार ने निवेशक सम्मेलन 2026 से पहले हजारों युवाओं के लिए रोजगार का मार्ग प्रशस्त किया**
- **एम.एस.एम.ई. से लेकर ग्लोबल उद्यमों तक, भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने राज्य को युवा-नेतृत्व वाले औद्योगिक विकास के केंद्र के रूप में स्थापित किया**
- **मुंबई रोड शो ने नौकरियों, उद्यमिता और निवेश-आधारित आर्थिक विस्तार के लिए पंजाब का रोडमैप प्रस्तुत किया**

मुंबई- मुंबई निवेश रोड शो के दूसरे दिन भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने प्रोग्रेसिव पंजाब निवेशक सम्मेलन 2026 के हिस्से के रूप में राज्य के युवाओं के लिए पूंजी निवेश को नौकरियों में बदलने पर ध्यान केंद्रित करते हुए निवेश अभियान को और तेज कर दिया।

उच्च-स्तरीय बैठकों से लेकर वित्तीय विचार-विमर्श करते हुये पंजाब सरकार ने लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को और मजबूत करने तथा उन्हें बड़े उद्यमों में बदलने योग्य बनाने से लेकर विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स और उभरते क्षेत्रों में वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करने तक अनेक संभावनाओं की श्रृंखला प्रस्तुत की।

परिणाम-उन्मुख बैठकों की यह श्रृंखला कॉर्पोरेटों और वित्तीय संस्थाओं के साथ साझेदारी को और गहरा करने, औद्योगिक क्षमताओं के विस्तार के साथ-साथ टिकाऊ, कुशल और दीर्घकालिक रोजगार संबंधी रणनीति को दर्शाती है, जो पंजाब को युवा-नेतृत्व वाले औद्योगिक विकास और उद्यमिता-आधारित आर्थिक विस्तार के लिए केंद्र के रूप में स्थापित कर रही है।

प्रतिनिधिमंडल ने दिन की शुरुआत सनातन टेक्सटाइल और महिंद्रा ग्रुप सहित प्रमुख उद्योग समूहों के साथ उच्च-स्तरीय बैठकों से की, जहाँ टेक्सटाइल, ऑटोमोटिव, कृषि उपकरण, रक्षा विनिर्माण और सप्लाई-चेन एकीकरण में संभावित अवसरों पर केंद्रित चर्चा की गई। इन बैठकों के दौरान नए निवेशों के साथ-साथ पंजाब में मौजूदा कार्यों के विस्तार, राज्य के कुशल कार्यबल, औद्योगिक आधारभूत ढांचे और नीतिगत स्थिरता का लाभ उठाने की संभावनाओं की पड़ताल भी की गई।

इस विशेष दिन का मुख्य आकर्षण सीएक्सओ राउंडटेबल बैठक थी, जिसमें प्रमुख प्राइवेट इक्विटी फर्मों और वित्तीय संस्थाओं ने भाग लिया। यह बैठक पंजाब के एमएसएमई को बड़े और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी उद्यमों में बदलने के लिए वित्तीय संभावनाओं, पूंजी निवेश और संरचनात्मक सहायता पर विचार-विमर्श के लिए बुलाई गई थी। इस राउंडटेबल में बेयरिंग प्राइवेट इक्विटी इंडिया इनवेस्टमेंट मैनेजर्स एलएलपी, जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड, एवेंडस वेल्थ मैनेजमेंट, नियो वेल्थ एंड एसेट मैनेजमेंट, ओकेएस एसेट मैनेजमेंट, अल्वारेज एंड मार्सल और थिंक लॉ की वरिष्ठ नेतृत्व टीम ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान दीर्घकालिक निवेश, प्रशासनिक सहायता और रणनीतिक बाजार पहुंच के माध्यम से एमएसएमई को बड़े एंटरप्राइज में बदलने पर चर्चाएं की गईं ताकि पंजाब को एमएसएमई-नेतृत्व वाले औद्योगिक विकास के लिए पसंदीदा स्थान के रूप में स्थापित किया जा सके।

गोलमेज बैठक के दौरान इन्वेस्ट पंजाब के सीईओ ने पंजाब के सुधार-संचालित शासन ढांचे, फास्टट्रैक पंजाब सिंगल-विंडो सिस्टम और समयबद्ध मंजूरियों के बारे में विस्तार से प्रस्तुति दी, जबकि निवेश प्रोत्साहन के प्रशासनिक सचिव ने नीतिगत निश्चितता और निवेशक सुविधा के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। यह सत्र इंटरैक्टिव ओपन हाउस और नेटवर्किंग लंच के साथ समाप्त हुआ, जिससे निवेशकों और पंजाब सरकार के प्रतिनिधिमंडल के बीच सीधी बातचीत संभव हुई।

गोलमेज बैठक के बाद, प्रतिनिधिमंडल ने यूएई-आधारित डीपी वर्ल्ड के साथ बैठकों में भाग लिया ताकि पंजाब की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने के उद्देश्य से लॉजिस्टिक्स, रेल-लिंक्ड इनलैंड टर्मिनलों और मल्टीमॉडल आधारभूत ढांचे पर चर्चा की जा सके। इसके बाद एवेन्यू सुपरमार्ट्स, यूपीएल लिमिटेड और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स मैनेजमेंट के साथ बातचीत की गई, जिसमें संगठित रिटेल, कृषि-इनपुट्स, खाद्य प्रणालियां और खेल शिक्षा एवं आधारभूत ढांचे जैसे क्षेत्रों पर चर्चा हुई। इन भागीदारियों ने विनिर्माण, सेवाएं, कृषि-व्यापार, लॉजिस्टिक्स और उभरते उद्योगों में पंजाब के विविध क्षेत्रीय अवसरों को उजागर किया।

अमृतसर में सीमा पार से नशा तस्करी मॉड्यूल से जुड़े चार व्यक्ति 5 किलो हेरोइन सहित गिरफ्तार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशानुसार पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए चल रही मुहिम के दौरान गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) अमृतसर ने चार व्यक्तियों को गिरफ्तार कर सीमा पार से नशा तस्करी करने वाले एक मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है और उनके कब्जे से 5 किलो हेरोइन बरामद की है। यह जानकारी आज यहां डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान सुखचैन सिंह उर्फ मनी, नवदीप सिंह, सुखपाल सिंह और आकाशदीप सिंह के रूप में हुई है। ये सभी निवासी गांव दाओके, अमृतसर के हैं। हेरोइन की खेप बरामद करने के अलावा, पुलिस टीमों ने उनके दो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (रजिस्ट्रेशन नंबर पीबी02इयू7751 और पीबी02डीवाइ9343) भी जब्त कर लिए हैं, जिनका उपयोग नशीले पदार्थों की ढुलाई के लिए किया जा रहा था। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार मुलजिम सीधे तौर पर पाकिस्तान आधारित तस्कर से जुड़े हुए थे, जो अपने गांव दाओके के आसपास सीमा पार से ड्रोन के जरिए हेरोइन की खेप पहुंचा रहे थे ताकि राज्य में आगे इसकी सप्लाई की जा सके। इस कार्रवाई के संबंध में विवरण साझा करते हुए उन्होंने बताया कि सीआई अमृतसर को एक विशेष सूचना मिली थी कि मुलजिम सुखचैन सिंह उर्फ मनी अपने साथियों की मदद से राज्य में नशा तस्करी का मॉड्यूल चला रहा है और उन्हें हाल ही में ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से हेरोइन की एक बड़ी खेप मिली है, जिसे वे अमृतसर के गांव काला घनूपुर के नजदीक सदा गांव में दूसरी पार्टियों को पहुंचाने जा रहे थे। उन्होंने कहा कि तेजी से कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने सदा गांव अमृतसर के नजदीक बाईपास रोड पर नाका लगाया और चारों संदिग्धों को रोक लिया तथा उनके कब्जे से हेरोइन की खेप बरामद की।

वरदान आयुर्वेदिक और हर्बल मेडिसिन अब कराएगा एनडीडीवाई का डिप्लोमा

चण्डीगढ़ : वरदान आयुर्वेदिक और हर्बल मेडिसिन के मैनेजिंग डायरेक्टर सुभाष गोयल ने बताया कि कंपनी पिछले काफी सालों से आयुर्वेद के क्षेत्र में काम कर रही है। अभी हम प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग (एनडीडीवाई) के द्वारा लोगों का इलाज करना चाहते हैं। इसके लिए प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग केंद्र, मोहाली में बनाया जा रहा है जिसमें रोगी प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग के द्वारा अपना इलाज करा सकेंगे। इलाज के साथ-साथ यहां पर प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग का प्रचार प्रसार भी हो उसके लिए प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग में 3 साल का डिप्लोमा कोर्स कराया जाएगा। प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए मुख्य रूप से डिप्लोमा इन नेचरोपैथी एंड योग थेरेपी (एन डी डी वाई)का कोर्स यहां पर उपलब्ध है। यह डिप्लोमा कोर्स गांधी नेशनल एकेडमी ऑफ़ नेचुरोपैथी, राजघाट, नई दिल्ली से संचालित किया जाता है। डिप्लोमा इन नेचरोपैथी योग थेरेपी में प्रवेश के लिए 12वीं कक्षा (किसी भी स्ट्रीम) में होना अनिवार्य है। केवल एमबीबीएस, बीएएमएस, बीएचएमएस, बीएमयूएस डिग्री कोर्स वाले व्यक्तियों को सीधे दूसरे वर्ष में प्रवेश मिलता है। कोर्स पूरा करने के बाद इंटर्नशिप भी कराई जाएगी ताकि छात्राएं प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त कर सके। इस कोर्स की पढ़ाई ऑफलाइन तथा ऑनलाइन एवं परीक्षा भी दोनों तरह से होती है। इसको करने के बाद आप अपना योग सेंटर, पंचकर्म केंद्र तथा नेचुरोपैथी सेंटर खोल सकते हैं।

इस अवसर पर पंचकर्म में गोल्ड मेडलिस्ट डॉक्टर मिशेल गोयल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 10 वर्षों से प्राकृतिक चिकित्सा का ज्ञान व लाभ घर-घर पहुंचने की कोशिश की है। योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाकर नेचुरोपैथी, योग एवं आयुर्वेद पद्धतियों के माध्यम से भारत को एक बार विश्व गुरु बनाने की पहल की है । प्राकृतिक चिकित्सक बनने के इच्छुक युवाओं के लिए प्राकृतिक चिकित्सा के करियर में अच्छी संभावनाएं हैं। डाक्टर मिशेल ने आगे कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा एक उभरती हुई आदर्श चिकित्सा पद्धति है जिसमे नियमित जीवन शैली के साथ संतुलित आहार, योग, प्राणायाम और पांच महाभूतों का उपयोग करते हुए शरीर को निरोगी बनाया जा सकता है। प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग के प्रोस्पेक्टस तथा फार्म हेतु फोन नंबर 9056725363 पर संपर्क कर सकते हैं।

भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार ने श्री गुरु रविदास जी महाराज के 649वें प्रकाश पर्व पर वर्षभर चलने वाले राज्य स्तरीय समारोहों की शुरुआत की

- **श्री खुरालगढ़ साहिब में 649वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय प्रदेश स्तरीय समागम का शुभारंभ**

हिन्द जनपथ
गढ़शंकर/होशियारपुर(ब्यूरो)। श्री गुरु रविदास महाराज जी के 649वें पावन प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में आज श्री खुरालगढ़ साहिब में प्रदेश स्तरीय समागम का शुभारंभ पूर्ण धार्मिक मर्यादा एवं उत्साह के साथ श्री अखंड साहिब जी के पाठ के आरंभ के साथ किया गया। यह भव्य समागम 6 फरवरी तक चलेगा तथा इसी दिन श्री अखंड साहिब जी के भोग डाले जाएंगे। समागम के अंतिम दिन मुख्यमंत्री पंजाब भगवंत सिंह मान गुरु चरणों में हाजिरी लगाकर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं भाईचारे की कामना करेंगे।

इस अवसर पर तप स्थान श्री खुरालगढ़ साहिब से संत केवल सिंह, प्रधान श्री गुरु साधु संप्रदाय सोसायटी पंजाब संत निर्मल दास जी जौड़े वाले, राष्ट्रीय अध्यक्ष आदि धर्म मिशन संत सतविंदर हीरा, संत दयाल नाथ समुंदड़ा, संत जगीर सिंह नंदाचौर, धाम चानण पुरी सहौड़ा से संत धर्मपाल, तग्गड़ बराड़ा से बलकार सिंह, शेरपुर ढक्कों से संत रमेश दास, गांव चेता से संत मनप्रीत दास, ढिंगरियाँ से संत बलवंत सिंह, पंडोरी लध्धां से सतनाम सिंह, बसी मरुफ़ से संत कुलदीप सिंह के अलावा अन्य संत समाज भी विशेष तौर पर मौजूद रहे।

आज कैबिनेट मंत्रीओं हरपाल सिंह चीमा, तरुनप्रीत सिंह सौंद, हरजोत सिंह बैंस, डॉ. रवजोत सिंह और लाल चंद कटारुचक्क के अलावा डिप्टी स्पीकर जय कृष्ण रौड़ी, चेयरमैन एससी कमिशन जसवीर गढ़ी, विधायक डॉ. ईशांक कुमार, संस्कृति व पर्यटन विभाग के सलाहकार दीपक बाली व अन्य शख्सियतों ने गुरु चरणों में शीश नवाया।

गुरु चरणों में शीश नवाने उपरांत पत्रकारों से बातचीत करते हुए वित्त मंत्री पंजाब हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि वर्ष 2027 में श्री गुरु रविदास महाराज जी का 650वां प्रकाश पर्व ऐतिहासिक और भव्य स्तर पर मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने 649वें प्रकाश पर्व के अवसर पर 4 फरवरी से पूरे वर्ष चलने वाले समागमों की श्रृंखला आरंभ की है। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास जी की महान शिक्षाएं सामाजिक समरसता, समानता, भाईचारे और मानवता का संदेश देती हैं, जिन्हें जन-जन तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। इसके अंतर्गत प्रदेश के सभी शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों को गुरु जी के जीवन, दर्शन और शिक्षाओं से परिचित करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार गुरु महाराज जी की शिक्षाओं के प्रचार-प्रसार के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है तथा इसके लिए विशेष कार्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं।

डिप्टी स्पीकर पंजाब विधानसभा जय कृष्ण सिंह रौड़ी ने कहा कि श्री खुरालगढ़ साहिब का ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक महत्व अत्यंत विशाल है और यहां आयोजित समागम सामाजिक एकता को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि श्री गुरु रविदास जी महाराज का जीवन और उनकी शिक्षाएं समाज को समानता, भाईचारे, प्रेम और मानव कल्याण का संदेश देती हैं। उन्होंने कहा कि खुरालगढ़ साहिब में आयोजित होने वाला यह प्रदेश स्तरीय समागम सामाजिक समरसता को और मजबूत करने का सशक्त माध्यम बनेगा।

कैबिनेट मंत्री तरूणप्रीत सिंह सौंद ने कहा कि श्री खुरालगढ़ साहिब न केवल पंजाब बल्कि समूचे देश के श्रद्धालुओं के लिए आस्था का महान केंद्र है।

'बाज अख' एंटी-ड्रोन सिस्टम ने तरन तारन में 4 किलो हेरोइन से भरे ड्रोन को किया बेअसर

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाई जा रही मुहिम के दौरान सीमा पार से नशीले पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए तरन तारन पुलिस ने सीमा सुरक्षा बल (बी.एस.एफ.) के साथ संयुक्त ऑपरेशन के तहत सरहदी चौंकी (बी.ओ.पी.) कालियां के निकट खेतों से 3.925 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। यह जानकारी डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने आज यहां दी।

हेरोइन की खेप बरामद करने के अलावा, पुलिस टीमों ने एक डीजेआइ मैट्रिस ड्रोन भी बरामद किया है, जिसका इस्तेमाल पाकिस्तान स्थित तस्करों द्वारा सीमा पार से खेप भेजने के लिए किया गया था। यह उन्नत तकनीक के माध्यम से सीमा पार तस्करी की कोशिशों की ओर इशारा करता है।

डीजीपी ने कहा कि सीमा पार के हैंडलरों की पहचान करने, सप्लाई रूटों का पता लगाने और पूरे नेटवर्क को नष्ट करने के लिए जांच की जा रही है।

ऑपरेशन के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए तरन तारन के सीनियर पुलिस सुपरिंटेंडेंट सुरेंद्र लांबा ने बताया कि पंजाब सरकार के 'बाज अख' एंटी-ड्रोन सिस्टम ने सरहदी चौंकी (बी.ओ.पी.) कालियां के निकट ड्रोन की गतिविधियों का पता लगाया था। इस पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने बी.एस.एफ. को सूचित किया और संयुक्त रूप से तलाशी अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप हेरोइन से भरे ड्रोन को बेअसर किया गया, जिसे बाद में खेतों से बरामद किया गया।

एस.एस.पी. ने कहा कि जिन लोगों को यह हेरोइन की खेप प्राप्त करनी थी, उनकी पहचान के लिए जांच जारी है।

युवा आपदा मित्र योजना के तहत माय भारत स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण संपन्न

हिन्द जनपथ
पंचकूला(ब्यूरो)। युवा आपदा मित्र योजना के अंतर्गत माय भारत के स्वयंसेवकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम संयुक्त प्रशिक्षण संस्थान, गृह रक्षी एवं नागरिक सुरक्षा, पंचकूला में आयोजित किया गया। समापन अवसर पर संस्थान के मुख्य प्रशिक्षक श्री रविंद्र कुमार, एचपीएस मुख्यअतिथि रहे।

कार्यक्रम का संचालन कंपनी कमांडर सुनील कुमार के नेतृत्व में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर प्रशिक्षक नवदीप कुमार, नीरज कुमार तथा मनोज कुमार द्वारा स्वयंसेवकों को आपदा प्रबंधन से संबंधित सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में आपदा के समय राहत एवं बचाव कार्य, प्राथमिक उपचार, आपातकालीन परिस्थितियों में समन्वय तथा सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 27 जनवरी से 2 फरवरी 2026 तक किया गया।

इस अवसर पर अंजू राणा, प्रोजेक्ट ऑफिसर, आपदा प्रबंधन, जिला प्रशासन पंचकूला तथा रेणु देवी, अकाउंट प्रोग्राम असिस्टेंट की उपस्थिति में माय भारत के स्वयंसेवकों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्रदान किया गया एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम को विधिवत रूप से पूर्ण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को आपदा की स्थिति में समाज के लिए सक्षम, प्रशिक्षित एवं जिम्मेदार स्वयंसेवक के रूप में तैयार करना रहा।

मोहाली कार्निवाल: पंजाब सखी शक्ति मेले का औपचारिक शुभारंभ

हिन्द जनपथ
साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर (मोहाली) (ब्यूरो)। पंजाब के ग्रामीण विकास एवं पंचायत तथा पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामलों के कैबिनेट मंत्री श्री तरुनप्रीत सिंह सोंद और आम आदमी पार्टी पंजाब के प्रभारी एवं दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया ने आज सरस मेला ग्राउंड, सेक्टर-88, मोहाली में मोहाली कार्निवालः पंजाब सखी शक्ति मेले का औपचारिक उद्घाटन किया।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए मंत्री तरुनप्रीत सिंह सोंद ने कहा कि पंजाब सखी शक्ति मेला ग्रामीण महिला स्वयं सहायता समूहों एवं महिला उद्यमियों को सरकारी स्तर पर एक सशक्त मार्केटिंग प्लेटफॉर्म प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह उच्च गुणवत्ता वाले, ऑर्गेनिक एवं पारंपरिक उत्पादों का निर्माण करते हैं, लेकिन बड़े स्तर पर विपणन के अवसर न मिलने के कारण उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने बताया कि इस कमी को दूर करने के लिए पंजाब राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग के अधीन, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के सहयोग से इस प्रकार के मेलों का आयोजन किया जा रहा है।

मंत्री सोंद ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मेले के लगभग 90 प्रतिशत स्टॉल महिलाओं द्वारा संचालित किए जा रहे हैं, जो उनकी मेहनत, आत्मविश्वास एवं उद्यमशीलता की भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने पंजाब की समृद्ध विरासत, संस्कृति एवं ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया, जबकि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में मेलों के बजट को 5 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 70 करोड़ रुपये किया गया है।

उन्होंने कहा कि मान सरकार को पूर्व सरकारों से नशा, भ्रष्टाचार एवं गैंगस्टर संस्कृति जैसी समस्याएँ विरासत में मिलीं, लेकिन सरकार ने आम आदमी क्लीनिक, मुख्यमंत्री सेहत योजना (10 लाख रुपये तक कैशलेस इलाज), स्कूल ऑफ एमिनेंस, युद्ध नशों के विरुद्ध, तथा मेरिट आधारित नौकरियाँ जैसी योजनाओं के माध्यम से सुशासन की मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य पंजाब को "रंगला पंजाब" बनाना है।

श्री मनीष सिसोदिया ने अपने संबोधन में कहा कि स्टॉलों का दौरा करते हुए उन्होंने पंजाब की महिला उद्यमियों की दृढ़ इच्छाशक्ति एवं मजबूत संकल्प को महसूस किया, जो अनेक चुनौतियों के बावजूद अपनी प्रेरणादायक सफलता की कहानियाँ लिख रही हैं। उन्होंने कहा कि ये महिलाएँ घरेलू जिम्मेदारियों के साथ-साथ उद्यमिता को भी सफलतापूर्वक निभा रही हैं, जिससे उनके परिवार आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ये महिलाएँ न केवल अपने लिए आजीविका अर्जित कर रही हैं, बल्कि स्वयं सहायता समूह बनाकर अन्य महिलाओं की आर्थिक उन्नति में भी योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब सखी शक्ति मेला उन्हें देश और दुनिया के समक्ष अपनी व्यावसायिक क्षमता प्रदर्शित करने के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करता है। "रंगला पंजाब" की व्यापक अवधारणा को ये महिलाएँ अपनी प्रेरणादायक कहानियों और नेतृत्व गुणों के माध्यम से साकार कर रही हैं।

इस अवसर पर आयोजित विशेष सम्मान समारोह में महिलाओं को निम्नलिखित पुरस्कार प्रदान किए गएः

सर्वश्रेष्ठ पंजाब महिला स्वयं सहायता समूह पुरस्कार – 35,000 : श्रीमती रिंपी कौर,

महिला उद्यमी शक्ति पुरस्कार – 25,000 : श्रीमती बंदना भारद्वाज,

सशक्त उद्यमी पुरस्कार – 10,000 प्रति महिला : श्रीमती डिंपल, श्रीमती कमानी देवी एवं श्रीमती अवनीत कौर।

इसके अतिरिक्त महिलाओं के लिए सौर ऊर्जा/नवीकरणीय ऊर्जा नवाचार प्रतियोगिता की भी घोषणा की गई, जिसके अंतर्गत जी आई जेड इंडिया (जर्मनी) के सहयोग से प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली महिला को 25 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान श्री सुखमनी स्कूल, डेराबस्सी; सरकारी हाई स्कूल, दाऊं; स्कूल ऑफ एमिनेंस फेज-3बी-1; तथा शिवालिक पब्लिक स्कूल, मोहाली के विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं।

इस अवसर पर विधायिका डॉ. अमनदीप कौर अरोड़ा (मोगा), गुरप्रीत सिंह जी.पी. (अध्यक्ष, एससी विंग आप पंजाब), सीमा बंसल (उपाध्यक्ष, पंजाब डेवलपमेंट कमीशन), डॉ. शेना अग्रवाल (संयुक्त विकास आयुक्त, मनरेगा), प्रभजोत कौर (अध्यक्ष, जिला योजना समिति), सोनम चौधरी (एडीसी, ग्रामीण विकास), गुरमीत सिंह सोही (सीएम फील्ड ऑफिसर), डीडीपीओ परमबीर कौर, डीईओ गिन्नी दुग्गल तथा रूपाली टंडन।

मनीमाजरा के पार्क बदहाल, लापरवाही पर उठे सवाल : हॉर्टिकल्चर एसडीओ के निलंबन की मांग की

मनीमाजरा : मनीमाजरा के शिवालिक गार्डन, इंदिरा कॉलोनी पार्क और ग्रीन बेल्ट की हालत बेहद चिंताजनक बनी हुई है। चण्डीगढ़ नगर निगम आयुक्त, जॉइंट कमिश्नर और चीफ इंजीनियर को लिखित शिकायत भेजी गई थी। आज सफाई कर्मचारी मौके पर तो पहुँचे, लेकिन कोई ठोस काम नहीं किया गया।

इस एक बार फिर समाजसेवी राजबीर सिंह भारतीय, सुभाष धीमान और शाम सुंदर द्वारा दोबारा शिकायत भेजी गई, जिसे सोशल वर्कर अरविंद सिंह ने तुरंत तीनों वरिष्ठ अधिकारियों तक अग्रसारित किया। इसके बावजूद ज़मीनी स्तर पर सुधार न होना प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाता है। पार्कों में गंदगी, टूटे झूले, खराब शौचालय, झाड़ियों का जंगल और आवारा कुत्तों का डर आम नागरिकों, बच्चों व बुजुर्गों के लिए खतरा बन चुका है।

सोशल वर्कर अरविंद सिंह ने कहा कि बार-बार शिकायत के बावजूद काम न होना गंभीर लापरवाही है। इसके लिए जिम्मेदार हॉर्टिकल्चर एसडीओ को तत्काल सस्पेंड किया जाना चाहिए, ताकि व्यवस्था सुधरे और जनता को न्याय मिले। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन और तेज़ किया जाएगा।

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम
8, जन मार्ग, सेक्टर 9-डी, चंडीगढ़

शुद्धिपत्र

दिनांक 18.12.2025 को इस समाचार पत्र में प्रकाशित सार्वजनिक सूचना में तालिका की क्रम सं.3 में डी.यू. सं. 38531 त्रुटिवश गलत प्रकाशित हुई है। इसे निम्नानुसार पढ़ा जाए:-

क्र.सं.	खरीददार का नाम	विक्रेता का नाम	डी.यू. सं.	श्रेणी	सेक्टर
3.	श्री विकास राणा पुत्र स्व. श्री शुभकरण, जीपीए धारक श्रीमती सपना देवी पत्नी श्री विकास राणा के माध्यम से।	(I) श्री पूरन चंद पुत्र स्व. श्री फतेह सिंह राणा (25% हिस्सा) और (II) श्री रविंदर सिंह पुत्र स्व. श्री फतेह सिंह राणा (25% हिस्सा)	3853-1	एलआईजी	47-डी, चंडीगढ़

शेष अपरिवर्तनीय रहेगा।

सचिव,
चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड, चंडीगढ़

संपादकीय

खेल के मैदान पर सियासत कर रहा पाकिस्तान

बांग्लादेश के नाहक ही अपनी जिद पर अड़े रहने के कारण उसे क्रिकेट टी20 विश्व कप से बाहर कर दिए जाने के बाद पाकिस्तान की ओर से भारत के साथ मुकाबला न खेलने के एलान को खेल के राजनीतिकरण से जोड़कर देखा जा रहा है। हैरत की बात है कि पाकिस्तान सरकार ने अपने इस निर्णय के पीछे स्पष्ट रूप से कोई वजह भी नहीं बताई है। ऐसे में माना जा रहा है कि बांग्लादेश के साथ एकजुटता दिखाने के लिए पाकिस्तान ने सोची-समझी रणनीति के तहत यह फैसला किया है। यह एक ऐसा कदम है, जिससे न केवल पाकिस्तान क्रिकेट टीम की साख को नुकसान होगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय खेलों पर भी इसका दूरगामी असर पड़ सकता है। इससे खेल भावना की गरिमा को भी ठेस पहुंची है, क्योंकि इस तरह के खेलों का आयोजन राष्ट्रों के बीच एकता, शांति, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और मैत्रीपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने का एक शक्तिशाली माध्यम होता है। इसलिए खेलों को भू-राजनीतिक तनाव और सियासत के दायरे से परे रखा जाना चाहिए। दरअसल, इस गतिरोध की शुरुआत आइसीसी के उस फैसले से हुई थी, जिसमें सुरक्षा आश्वासनों को मानने से इनकार करने और अपने सभी मैच भारत से श्रीलंका स्थानांतरित करने की जिद के बाद बांग्लादेश को टी20 विश्व कप से बाहर कर दिया गया था। आइसीसी के इस फैसले के बाद पाकिस्तान के क्रिकेट और राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिलीं थी। पाकिस्तान ने भले ही भारत के साथ मैच न खेलने के फैसले की कोई वजह नहीं बताई है, लेकिन उसके मंसूबों को साफ समझा जा सकता है। इसमें दोराय नहीं कि भारत-पाकिस्तान का मुकाबला किसी भी आइसीसी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रोमांचकारी माना जाता है, जिसे वैश्विक स्तर पर सर्वाधिक दर्शक, प्रायोजकों की रुचि और प्रसारण राजस्व मिलता है। इसलिए आइसीसी के सामने भी वित्तीय और नियामकीय चुनौतियां खड़ी होने की आशंका है। इस बीच, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग भी जोर पकड़ रही है। ऐसे में आइसीसी को सख्त कदम उठाने की जरूरत है, ताकि भविष्य में खेल भावना के साथ कोई खिलवाड़ न हो।

भारत के आम बजट 2026 को किसी भी दृष्टिकोण से देखिए, इसे विश्वसनीय, जिम्मेदार और दूरदर्शी बजट कहा जा सकता है। अव्वल तो बजट-चर्चा शुरू करने से पहले हमें दुनिया के हालात पर जरूर नजरें फेर लेनी चाहिए। उसके बाद ही यह सोचना चाहिए कि ऐसे क्या कदम उठाए जा सकते हैं, जिनसे हमारे सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि हो। वृद्धि भी कम नहीं, कम से कम उतनी हो, जितनी नए आर्थिक सर्वेक्षण में बताई गई है। रविवार को पेश केंद्रीय बजट में खास यह है कि व्यापार या उद्योग को विकास के एक प्रमुख चालक के रूप में देखा गया है। वित्त मंत्री ने दूरदर्शिता दिखाते हुए सहयोगी देशों के साथ तालमेल बिठाने के लिए सीमा शुल्क सुधार की बड़ी कोशिश की है।

देश को सही दिशा में बढ़ाएगा बजट

(एन के सिंह)

इससे निवेश दक्षता और व्यापार संबंधों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और लगातार उच्च विकास दर के अनुकूल स्थितियां बनेंगी। संक्षेप में कहें, तो इस वर्ष वित्त मंत्री का मूल मंत्र पूंजी, प्रौद्योगिकी और निर्यात प्रतिस्पर्धा है।सुखद है कि पहली बार विकास दर को बढ़ाकर 7 प्रतिशत का लक्ष्य रखा गया है। इस विकास दर को पाने के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश बजट में बहुत ठोस कदम उठाए गए हैं। बजट के अनेक पहलू हैं, जिनसे उम्मीदों को बहुत बल मिलता है। अमेरिका के साथ जारी टैरिफ संबंधी तनाव के बावजूद भारत ने पिछले महीनों में कई मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। यूरोपीय संघ से भी भारत का व्यापार समझौता हुआ है। भारत और यूरोप की आबादी को जोड़ लें, तो एक बहुत बड़ा बाजार हो जाता है। अत- यूरोपीय संघ के साथ भारत का व्यापार समझौता एक बड़ा कदम है।

हालांकि, भारत को आत्मनिर्भरता को संरक्षित रखते हुए, विशेषकर बढ़ती एशियाई अर्थव्यवस्था में भी, विश्वसनीय साझेदारों के साथ संबंधों को मजबूत करना चाहिए। यह मानना चाहिए कि पुरानी व्यवस्था समाप्त हो चुकी है और नए बदलाव अव्यवस्थित हैं। इसे 'कार्नीवाद' कहा जा सकता है -एक स्पष्ट चेतावनी है कि हम बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं। व्यापार, ऊर्जा और सुरक्षा के क्षेत्र में बहुपक्षीय व लचीले गठबंधन बनाने में सक्षम देश ही बदलाव को राह दिखाएंगे। भारत के आर्थिक फैसले भी तय करेंगे कि दुनिया में नए गठबंधन कैसे आकार लेंगे? गठबंधन बनाने की चुनौतियों में वित्त, निवेश, ऊर्जा, जलवायु, जैव विविधता और सुरक्षा शामिल है। इस बजट में इन चुनौतियों से दो-दो हाथ करने का इरादा दिखता है।

आज हम गौर कर सकते हैं कि नरेंद्र मोदी सरकार की यह एक बड़ी कामयाबी है, सरकार ने अपनी वित्तीय जिम्मेदारी को ठीक से निभाया है। वित्तीय संतुलन का यह मार्ग मैंने अपनी राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन के माध्यम से भी तैयार किया था, जिसे इस सरकार ने मंजूरी दी। सही राह पर हम बने हुए हैं। इसी के तहत हमने इस वर्ष भी वित्तीय घाटे का जो लक्ष्य था, उसे पाया है और तभी आगामी वर्ष में वित्तीय घाटे का लक्ष्य 4.3 प्रतिशत रखा गया है।

बजट से पता चलता है कि देश के ऋण में गिरावट आई

है। अगले वर्ष और गिरावट आएगी। हमारा लक्ष्य है कि 2030-31 में ऋण को जीडीपी के अनुपात में 51 प्रतिशत तक लाया जाए। हालांकि, हमें राज्यों के ऋण के बारे में भी सोचना चाहिए। राज्यों के ऋण और घाटे पर थोड़ी निगरानी रखनी पड़ेगी। केंद्र सरकार के ऋण अनुपात के अनुरूप ही राज्यों के ऋण को लाना होगा।

ताजा बजट की एक खासियत यह भी है कि अर्थव्यवस्था के कुछ नए उभरते क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया है। रेअर अर्थ (विशेष रासायनिक तत्व), कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन (कार्बन पृथक्करण), आई क्लाउड (सुरक्षित स्टोरेज सेवा), इन सभी नए क्षेत्रों को बजट ने बल देने के जरूरी प्रयास किए हैं।

बजट में रोजगार बढ़ाने के दृष्टिकोण से कुछ क्षेत्रों को देखा गया है। श्रमिकों की ज्यादा जरूरत वाले वस्त्र और चमड़ा उद्योग पर जोर दिया गया है। पर्यटन विकास के लिए निश्चित कदम उठाए गए हैं। टूरिस्ट सर्किट की घोषणा हुई है। बजट यह भी कोशिश करता दिख रहा है कि स्वास्थ्य पर्यटन को कैसे बढ़ाया जाए। शिक्षा क्षेत्र में देखें, तो यह बड़ी घोषणा है कि पांच विश्वविद्यालय टाउनशिप बसाए जाएंगे।

बहरहाल, जब बजट में दिख रही तमाम कोशिशों को हम जोड़ते हैं, तब हमें रोजगार प्रधान विकास की नींव मजबूत होती दिखती है। आज देश में ऐसा आर्थिक विकास चाहिए, जो रोजगार के अवसर बढ़ाए।

टैक्स की चर्चा करें, तो जो टैक्स रेट बहुत कम हो गए थे, उसके विपरीत हम लोगों ने कुछ नहीं किया है। हां, टैक्स की प्रक्रिया को आसान बनाया गया है, इससे कराधान में सुविधा बढ़ेगी। कर चुकाना आसान होगा। आयात शुल्क संबंधी जो कदम हमने उठाए हैं, वह भी महत्वपूर्ण हैं। जैसे कैंसर की विशेष दवाइयों और परमाणु शक्ति पर जो रियायत हमने दी है, वह बिल्कुल सही है। साथ ही, जो क्लाउड सर्विसेज हैं, जिससे एआई का उपयोग बढ़ रहा है, इस क्षेत्र को साल 2027 तक रियायत दी गई है। जो हाई वैल्यू एग्रीकल्चर है, उस पर भी बजट में सकारात्मक कदम उठाए गए हैं। बजट के साथ ही 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट को भी सदन के पटल पर रखा गया है। एक्शन टेकेन रिपोर्ट का कार्यक्रम भी पेश किया गया है। 15वें वित्त आयोग का अध्यक्ष रहते मैंने भी राज्यों के राजस्व में हिस्सेदारी को बढ़ाकर 41 प्रतिशत करने की सिफारिश की थी, 16वें वित्त आयोग ने भी इतना ही लक्ष्य रखा है, जिसे सरकार ने मंजूर किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अक्सर रिफॉर्म एक्सप्रेस की चर्चा करते हैं, अब इस आम बजट से रिफॉर्म एक्सप्रेस की गति में नई प्रगति जुड़ जाएगी। गौरतलब है, जब केंद्रीय बजट पेश हो रहा था, तब शेयर बाजार में गिरावट देखी गई। वैसे, किसी भी बजट को केवल शेयर सूचकांक के नजरिए से नहीं देखना चाहिए। कई बार शेयर बाजार में तुरंत प्रतिक्रिया दिखती है, पर हमें देखना चाहिए कि बुनियादी ढांचा विकास के लिए प्रस्तावित बजट में तीन लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। सड़क, पुल, पाइपलाइन, बंदरगाह इत्यादि के निर्माण में तेजी आएगी, तो रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। बहरहाल, एक कठिन वैश्विक परिवेश में, यह आम बजट भारत को न केवल आर्थिक विकास करने के लिए, बल्कि विवेक और लचीलेपन के साथ विकास को नियंत्रित करने के लिए तैयार करता दिख रहा है। यह बजट एक बहुत सकारात्मक पहल है, यह देश की आर्थिक तरक्की और दुनिया के बदलते माहौल के साथ कदमताल करता लग रहा है। (लेखक 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष) (ये लेखक के अपने विचार हैं)

यूजीसी शिकायतों की सुनवाई करे सर्वोच्च न्यायालय

यूजीसी ने पिछले दिनों उच्च शिक्षा संस्थानों में समता बढ़ाने के लिए जो नए नियम जारी किए हैं, उसके विरुद्ध उठे सवर्ण युवाओं के आक्रोश के फिलहाल थम जाने की संभावना है। सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायमूर्ति बागची की पीठ ने यूजीसी के नए नियमों पर स्थगन आदेश जारी कर दिया है। न्यायालय ने इन नियमों को लेकर प्रथम दृष्टि में ही दुरुपयोग की आशंका जताई है। अब आगे सुनवाई चलने तक यूजीसी द्वारा 2012 में जारी किए गए नियम ही जारी रहेंगे।

(हरिवंश चतुर्वेदी)

बहरहाल, यह तो स्पष्ट हो गया है कि हमारे उच्च शिक्षा संस्थान सामाजिक भेदभाव के दुष्प्रभावों से अछूते नहीं हैं। आरक्षित वर्ग अगर आशंकित है, तो अनारक्षित वर्ग में भी भय व चिंता देखी जा रही है।

जब तक सर्वोच्च न्यायालय इस ज्वलंत मुद्दे पर अपना अंतिम फैसला ले पाएगा, यह बहस जारी रहेगी कि हमारे उच्च शिक्षा परिसरों में जाति, लिंग, भाषा, धर्म, क्षेत्र और दिव्यांगता पर आधारित विविध प्रकार के भेदभाव क्यों बढ़ रहे हैं? क्या हमारे संस्थान विद्यार्थी वर्ग में आधुनिक, प्रगतिशील और समावेशी समाज की विचारधारा को फैलाने की कोई कोशिश कर पा रहे हैं? क्या यह कटु सत्य नहीं है कि आरक्षित और गैर-आरक्षित जातियों के विद्यार्थियों को कई स्थानों पर अलग-अलग रखा जाता है। जाति आधारित छात्रावास बनाने की होड़ देखी जाती है, क्या यह भेदभाव दूर करने का सही तरीका है?

यूजीसी द्वारा 13 जनवरी, 2026 को जारी किए गए समता संबंधी नए नियमों के विरुद्ध जो व्यापक रोषपूर्ण प्रतिक्रिया सवर्ण जातियों के युवाओं में देखी गई है, उसके बाद यह जानना और समझना जरूरी है कि सवर्ण वर्गों में किन बातों को लेकर नाराजगी है? एक बड़ा वर्ग आशंकित है कि उन पर आरक्षित जातियों के छात्रों के साथ जातिगत भेदभाव करने के झूठे आरोप लगाए जा सकेंगे और उनके पास अपना बचाव करने के उपाय नहीं होंगे। यूजीसी के नए नियमों के विरोधियों की पहली आपत्ति आरक्षित विद्यार्थियों में पिछड़े वर्ग (ओबीसी) को जोड़ना है, जबकि 2012 के नियम में सिर्फ एससी व एसटी वर्ग के विद्यार्थी ही शामिल थे, जिन पर होने वाले भेदभाव पर कार्यवाही की जाती थी।

सर्वोच्च न्यायालय में याचिकाकर्ता के वकीलों का दूसरा तर्क यह है कि कि नए नियमों की धारा 3(सी) में जाति आधारित भेदभाव की परिभाषा में सिर्फ आरक्षित जातियों के विद्यार्थियों पर होने वाले भेदभाव को शामिल किया गया है और गैर-आरक्षित जातियों के विद्यार्थियों के साथ होने वाले भेदभाव को छोड़ दिया गया है।

तीसरा तर्क जातिगत तथा अन्य प्रकार के भेदभावों को रोकने के लिए हर संस्थान में जो समता समिति बनाई जानी है, उसमें 50 प्रतिशत स्थान आरक्षित जातियों के लिए रखा जाना है। शेष स्थानों को कैसे भरा जाएगा, यह नए नियमों में स्पष्ट नहीं किया गया है।

अब इन आपत्तियों का निराकरण सर्वोच्च न्यायालय को करना होगा, किंतु अनेक सवाल हैं, जिनका जवाब हमें खोजना चाहिए। भेदभाव और उत्पीड़न के मामले आजादी के 78 साल बाद भी क्यों बढ़ते जा रहे हैं? क्या उच्च शिक्षा के मंदिरों को भारत को एक आधुनिक, समृद्ध, शक्तिशाली एवं प्रगतिशील राष्ट्र बनाने की जिम्मेदारी से मुक्त किया जा सकता है? निस्संदेह, विद्यार्थियों के किसी भी वर्ग को किसी भी प्रकार के भेदभाव और उत्पीड़न की इजाजत नहीं दी जा सकती। सवर्ण छात्रों में यह शिकायत आम है कि प्रवेश, पाठ्यक्रम चयन व सुविधाओं के स्तर पर उनके साथ न्याय नहीं होता है और अब नए नियमों के तहत उन्हें बेवजह निशाना बनाया जा सकता है।

जरा इस तथ्य का भी पुनरावलोकन कीजिए कि आखिर यूजीसी को उच्च शिक्षा संस्थानों में कई दशकों से चले आ रहे भेदभाव और उत्पीड़न के विरुद्ध नए नियम 13 जनवरी को क्यों जारी करने पड़े? इसके पीछे हैदराबाद और मुंबई के दो कैंपसों में दो छात्रों द्वारा की गई आत्महत्या भी शामिल है। रोहित वेमुला और पायल तड़वी की मां की ओर से सर्वोच्च न्यायालय में यूजीसी के समता संबंधी नियमों को चुनौती दी गई थी। न्यायालय से यह मांग हुई थी कि शिक्षा संस्थानों में भेदभाव के विरुद्ध सख्त नियम बनाए जाएं। वाकई नियम सख्त होने चाहिए, पर ऐसे होने चाहिए, जो समता को बल दें, ऐसे नहीं कि जिनसे भेदभाव या दुर्भावना बढ़ने की आशंका पैदा हो जाए।

हां, यह सही है कि जातिगत भेदभाव होता है। साल 2023 में लोकसभा में जानकारी दी गई कि केंद्र सरकार के द्वारा संचालित सौ से अधिक राष्ट्रीय संस्थानों में 2014 और 2021 के बीच 122 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की थी, जिनमें 68 या 55 प्रतिशत आरक्षित जातियों में से थे। यूजीसी ने सर्वोच्च न्यायालय और संसदीय समिति को 2024 में यह जानकारी दी कि 2020 और 2024 के दौरान जातिगत भेदभाव के मामले 118 प्रतिशत ज्यादा दर्ज हुए हैं। यह इस बात का भी संकेत है कि पिछड़ी जातियों में सजगता बढ़ रही है और यह भी देखने की जरूरत है कि आत्महत्या करने वाले छात्रों में सवर्ण छात्र भी शामिल हैं। इसका मतलब है कि शिक्षा संस्थानों में बेहतर और न्यायपूर्ण माहौल के लिए व्यापक प्रयासों की जरूरत है। ऐसा केवल नियम बना देने भर से सुनिश्चित नहीं होगा। भेदभाव दूर करने के मोर्चे पर नाकामी की एक बड़ी वजह राजनीतिक दलों का व्यवहार भी है। राजनीतिक दल भी जातिगत भेदभाव या दुष्प्रभाव से परे नहीं हैं। हम अगर शिक्षा को एक अच्छा इंसान बनाने की प्रक्रिया बनाना चाहते हैं, तो हमें शिक्षा के परिसरों से जातिवाद, क्षेत्रवाद, सांप्रदायिकता और लिंगभेद के जहर को सख्ती और वैचारिक रूपांतरण द्वारा मिटाना होगा। समता लाने के लिए सख्त नियम और कानून बनाना आसान है, परंतु उनके न्यायोचित क्रियान्वयन की जिम्मेदारी कुलपतियों, प्राचार्यों और शिक्षकों को लेनी होगी। उच्च शिक्षा के परिसरों में किसी भी भेदभाव के लिए जगह नहीं होनी चाहिए, लेकिन क्या भारतीय समाज, राजनीति और प्रशासन जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार हैं? (लेखक महानिदेशक,आईआईएलएम,नई दिल्ली) (ये लेखक के अपने विचार हैं)

वर्ग पहेली 5994

1	2	3	■	4	5	6	
7			■	8			■
■	9		10		■	11	12
13	■	■	14		15	■	
16	17			■	18	19	
20		■		■	21		■
22			■	23			■
■		■	24			■	■

संकेतः बाएं से दाएं
1. 10 जून 1933 को मार्गरेट थैचर इस देश की पुनः प्रधानमंत्री चुनी गई (3)
4. दक्षिण अमेरिका की यह जल की मात्रा के हिसाब से विश्व की सबसे बड़ी नदी है (4)
7. जल में उत्पन्न वस्तु (3)
8. सेवा, तीमारदारी, खिदमत (3)
9. अभ्यास पुस्तिका को अंग्रेजी में यह कहते है (4)
11. वाक्य का अप्रभंश, बोलता हुआ (2)
14. गृह या भवन को यह भी कहते है (3)
16. प्रतिवासी, पडोसी (4)
18. राजा का निवास, भारत की पहली रहस्य प्रधान फिल्म (3)
20. पाषाण पटल, शिला, पेषणी (2)
21. उच्चवर्णीण, अंडज, यज्ञोपवीतधारी (2)
22. वह धन जो श्रमादि करके उपार्जि किया हुआ हो (3)
23. वह बाल जिसका पिता का निधन हो गया हो (डूंडू)(3)
24. नदी को अपभ्रंश (3)

ऊपर से नीचे
1. पुल को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
2. दर्जी, वेशकार (3)
3. अरब का एक प्रसिद्ध नगर जहां हजरत अली की मजार है (3)
4. अंदाज, अनुमान, कयास (4)
5. वर्षा, प्रमेह, नर बकरी (2)
6. नवजात शिशु के आगमन पर खुशी हजहार करने पर महिलाओं का जमावड़ा, प्रदर्शनी (3)
10. जड़, नींव, आधार (4)
12. कोई विलक्षण कार्य, करतब (3)
13. हिम्मती, पराक्रमी, बहादुर (4)
15. कार्तिक शुक्ल द्वितीया को होने वाला भाईदूज पर्व इस नाम से भी जाना जाता है (5)
17. पुरूषोत्तम मास, अधिक मास (4)
19. पचित, पचेलिम, पचा हुआ (3)
23. जो, अगर (2)

वर्ग पहेली 5993 का हल

कि	र	ण	बे	दी	■	गं	ज
ता	न	■	गा	न	मं	ड	ली
ब	र	स	ना	■	■	क	ल
फ	■	मा	■	भू	सा	■	■
रो	ज	ना	म	चा	■	आ	शा
श	ल	■	त	ल	ब	गा	र
■	पा	य	ल	■	ह	मी	दा
सी	न		बी	त	ना	■	■

बच्चों में सोशल मीडिया की लत पर लगे लगाम

(शकुंतला महेश नेनावा)

बच्चों में इंटरनेट-मोबाइल की बढ़ती लत पर कैसे लगे लगाम, इस पर चिंता जताते हुए केंद्र सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण के मुख्य सलाहकार अनंत नागेश्वरन गहरी बातें कही हैं। उन्होंने कहा है कि बच्चों में बढ़ती डिजिटल लत छुड़ाने के लिए माता-पिता को अहम भूमिका निभानी होगी। डिजिटल कंपनियां भी ऐसे कंटेंट्स हटाए, जिनका बुरा प्रभाव बच्चों की मानसिकता पर पड़ सकता है। ऑस्ट्रेलिया व फिनलैंड ने 15 साल तक के बच्चों के लिए इंटरनेट के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। वहीं फ्रांस की असेंबली में इस पर सहमति बन गई है और ब्रिटेन, डेनमार्क व ग्रीस में इस विषय पर अध्ययन चल रहा है। हमारे देश में भी गोवा और आंध्र प्रदेश में इसको लेकर सर्वेक्षण चल रहा है, ताकि बच्चों द्वारा स्मार्टफोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया जा सके। मसलन, देश-विदेश में बच्चों पर पड़ने वाले सोशल मीडिया के खतरनाक प्रभावों के मद्देनजर

उस पर प्रतिबंध लगाने के लिए जागरूकता बढ़ गई है, क्योंकि इनकी अव्यावहारिक सामग्रियां बच्चों के स्वभाव, व्यवहार, पढ़ाई, दिनचर्या, स्वास्थ्य व मानसिक सोच पर विपरीत प्रभाव डाल रही हैं। हमारी सरकार को भी बच्चों के उज्जवल भविष्य हेतु इंटरनेट और स्मार्टफोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के लिए स्पष्ट नीति बनानी चाहिए, ताकि बच्चों के साथ ही उनके परिवार का भविष्य भी सुरक्षित रहे और समाज में बुराइयों पर भी लगाम लग सके।

आज का राशिफल

मेष
आज का दिन आपके लिए चुनौती पूर्ण रहेगा। सिंह राशि का चन्द्रमा आपके सामने ढेर सारी जिम्मेदारियां खड़ी करेगा। मंगल क्रियाशील और पुरुषार्थी ग्रह है इसलिए सुव्यवस्था करने में आपका कोई सानी नहीं है। सभी की उम्मीदों पर खरा उतरने की आपकी विशेषता आज भी आपको यश देगी। कहीं अच्छी खबर मिलेगी।

वृष
आज का दिन शुभ रहेगा। राजनीतिक प्रतिद्वंदी आज आपसे आगे निकलने का प्रयास करेंगे। धीरे धीरे सफलता की ओर कदम बढ़ाये जा सकते हैं। लेकिन कोई नया कार्य शुरू करने के लिए समय अनुकूल नहीं है। दिन का काम जल्दी खत्म करके सायंकाल कुछ समय परिवार के साथ बिताएंगे और मनोरंजन भ्रमण पर जाएंगे।

मिथुन
आज का दिन आपके लिए सामान्य है। बौद्धिक तथा व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता कारक है। संतान पक्ष की ओर से हर्ष दायक समाचार से मनोबल बढ़ेगा। भाग्योदय का दिन है, सचेष्ट रहें। अपने कार्य आसानी से कर पाएँगे अगर इनकेगुप्त रखा जाएगा तो। अपनी योजना किसी के सामने नहीं बताए।

कर्क
आज शुभ कार्यों में आपकी दिलचस्पी बढ़ेगी। आप द्वारा लिया गया निर्णय आगे लाभप्रद रहेगा। संतान पक्ष के विवाह में आ रही अड़चनें समाप्त होंगी। जन संपर्क में वृद्धि होने से आप प्रफुल्लित रहेंगे। कोई व्यक्ति आपके लिए समस्या उत्पन्न कर सकता है। यह व्यक्ति आपको आगे बढ़ कर देखना नहीं चाहता है।

सिंह
आज आपका भाग्य हर काम में आपका साथ देगा। विरोधियों का षड़यंत्र असफल रहेगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों पर शुभ व्यय होने से मन में हर्ष होगा। बहुत समय से चली आ रही कटुता आपसी समझौते से समाप्त हो जाएगी। नया परिचय मित्रता में परिवर्तित हो सकता है। फिर भी सावधानी रखे। अनजान पर भरोसा नहीं करे।

कन्या
आज आपका राशि का स्वामी बुध आपके तरक्की करवाएगा। पर शत्रु चिंता भाव घर में संचार कर रहे हैं। फलस्वरूप वृद्धजनों की सेवा तथा पुण्य कार्यों पर धन व्यय होने से मन में हर्ष रहेगा। प्रतिद्वंद्वियों के लिए आप सिरदर्द बने रहेंगे। दाम्पत्य जीवन में सुखद स्थिति रहेगी। कहीं घूमने का कार्यक्रम बन सकता है।

तुला
आज का दिन अत्यधिक श्रम करने पर भी आय कम और व्यय अधिक होगा। गुप्त शत्रु सक्रिय रहेंगे, व्यर्थ की भागदौड़ पारिवारिक अशान्ति विशेष रूप से रहेगी। सूर्यास्त होते समय कुछ राहत मिल जाएगी। कोई भी कार्य सावधानीपूर्वक करें नहीं तो आपके पछताना पड़ सकता है।आपको कल भाग्य आर्थिक लाभ के साथ ही साथ सुख साधन दिलाने में भी सहायक रहेगा।

धनु
आज का आपका दिन शुभ रहेगा। राज्य कार्यों में सफलता, घर में धन धान्य की वृद्धि, कलत्र मित्रों से धन का लाभ, निरोगता शत्रुओं पर विजय और मनोरथ सिद्धि होगी। रात्रि में शुभ व्यय मंगलमय समारोह में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा। परिवार के सदस्यों के साथ आपका समय व्यतीत होगा जिससे आपको काफी कुछ संतोष प्राप्त होगा।

कुंभ
आज का दिन घर परिवार के लिए अच्छा रहेगा। कर्मफल की सिद्धि कारक है। कहीं से कमा कमाया धन मिलने का योग है। किसी वृद्ध महिला का आशीर्वाद मिलने से उन्नति के विशेष अवसर प्राप्त होंगे। बहुत समय से भाई बंधुओं से चला आ रहा विवाद सुलझ जाएगा। माता-पिता का स्वास्थ्य कुछ चिंता प्रदान करने वाला है।

वृश्चिक
आज का दिन चुनौती पूर्ण रहेगा। कोई महत्वपूर्ण व्यावसायिक अनुबंध आपके पक्ष में फाइनल हो सकता है। यदि आप आज अपनी बात दूसरों तक पहुंचाने में कामयाब हो जाए तो आने वाले दिनों में आपसे वरिष्ठ व्यक्ति भी आपकी प्रशंसा करेंगे। आज किसी के मामले हस्तक्षेप से बचे नहीं मानहानि के होने के मौका है।

मकर
आज का दिन विजयकारक है। राशि आज सत्पुरुषों के मिलने से मन में प्रसन्नता होगी। उच्चाधिकारियों की कृपा से भूमि-जायदाद संबंधी विवाद का समाधान भी हो जाएगा। सायंकाल के समय स्वास्थ्य कुछ ढीला हो सकता है, ध्यान रखें। खानपान पर विशेष ध्यान दे और बाहरी चीजे खाने से परहेज करें।

मीन
आज पूरे दिन आय के नए स्रोत सामने आएंगे। विरोध पक्ष पराजित होगा। आपके भाग्य का सितारा फिर से चमकने लगेगा। व्यवसाय में अधिक धन लगाना लाभकारी रहेगा। कोई मित्र आपका सहयोग करेगा जिससे आपकी समस्या काफी हद तक समाप्त हो जाएगी।अच्छी बात यह भी है कि आपको जीवनसाथी से भी पूरा सहयोग मिलेगा।

बिटकॉइन ने गंवाई सारी चुनावी बढ़त, कीमत अब 73,000 के नीचे

नई दिल्ली, एजेंसी। बिटकॉइन की कीमत में लगभग चार महीने से जारी गिरावट जारी है, और यह मंगलवार को न्यूयॉर्क में 7 प्रतिशत गिरकर 72,877 डॉलर पर आ गई। यह वह स्तर है, जो नवंबर 2024 के बाद से सबसे कम है, यानी तब से जब क्रिप्टो-सपोर्टर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव जीता था। ब्लूमबर्ग के मुताबिक इस गिरावट के साथ, चुनाव जीतने के बाद हुई सारी बढ़त अब मिट गई है और कीमत 2025 के सबसे निचले स्तर 74,424.95 डॉलर से भी नीचे चली गई है। फाल्कनएक्स के बोहान जियांग के

अनुसार, बहुत से ट्रेडर्स गिरावट में खरीदारी करके कीमत 80,000 डॉलर से ऊपर जाने की शर्त लगा रहे थे, लेकिन जैसे-जैसे बिटकॉइन की कीमत गिरती गई, उनमें से कई के दांव फेल हो गए और उनकी जबरन बिक्री ने कीमत पर और दबाव डाला। अक्टूबर में ट्रंप के टैरिफ संबंधी बयानों के बाद हुई भारी बिकवाली से बाजार अभी तक उबर नहीं पाया है, जिसमें 19 अरब डॉलर के लीवरेज्ड दांव डूब गए थे। बिटकॉइन की यह गिरावट व्यापक बाजार की उठापटक के बीच आई है। परपेचुअल फ्यूचर्स की फंडिंग रेट नकारात्मक हो गई है, जिसका मतलब है कि बाजार में गिरावट पर दांव लगाने की मांग अधिक है। हांगकांग स्थित क्रिप्टो ऑप्शंस प्लेटफॉर्म सिग्नलप्लस के साझेदार ऑगस्टीन फैन के अनुसार, क्रिप्टो से जुड़े भावना पूरी तरह से पस्त हैं और बाजार मंदी के माहौल में कारोबार कर रहा है।

पीएफ के ब्याज दर में कटौती की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्मचारियों के लिए बड़ी बचत योजना माने जाने वाले भविष्य निधि पर मिलने वाले ब्याज को लेकर एक अहम अपडेट सामने आया है। कर्मचारियों की भविष्य निधि संगठन वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पीएफ जमा पर ब्याज दर में हल्की कटौती कर सकता है। सूत्रों के मुताबिक, ईपीएफओकी ओर से ब्याज दर को 8 फीसदी से 8.20 फीसदी के दायरे में रखा जा सकता है, जबकि चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए यह दर 8.25 फीसदी तय की गई थी। इस फैसले पर अंतिम मुहर ईपीएफओ की 239वीं सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की बैठक में लग सकती है, जो मार्च के पहले हफ्ते में होने की संभावना है। हालांकि, इस बार ब्याज दर को लेकर फैसला इतना आसान नहीं माना जा रहा है। वजह है आगामी चुनाव। ऐसे में यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि सरकार कर्मचारियों को राहत देने के लिए लगातार तीसरे साल ब्याज दर में कोई बदलाव न करे और इसे 8.25 फीसदी पर ही बरकरार रखा जाए। बीते कुछ वर्षों से ईपीएफओ ने ब्याज दरों में बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं किया है, ताकि कर्मचारियों की लंबी अवधि की बचत सुरक्षित बनी रहे। चुनावी माहौल में कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए यथास्थिति बनाए रखना एक रणनीतिक फैसला हो सकता है। इसी बैठक में ईपीएफओ एक और बड़े बदलाव पर भी विचार कर सकता है। संगठन अनिवार्य पीएफ कवरेज के लिए वेतन सीमा बढ़ाने की योजना पर काम कर रहा है। फिलहाल, 15,000 मासिक वेतन तक के कर्मचारियों के लिए पीएफ अनिवार्य है, लेकिन इसे बढ़ाने की तैयारी है, जिससे ज्यादा कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिल सके। अगर वेतन सीमा बढ़ती है, तो इससे निजी क्षेत्र में काम करने वाले लाखों कर्मचारियों को सीधा फायदा होगा और उनकी रिटायरमेंट सेविंग मजबूत होगी। अब सबकी नजर ईपीएफओ की मार्च बैठक पर टिकी है।

इंफोसिस-टीसीएस समेत कंपनियों के 1.75 लाख करोड़ डूबे

नई दिल्ली, एजेंसी। वॉल स्ट्रीट से दलाल स्ट्रीट तक आईटी कंपनियों के शेयरों में भूचाल है। 4 फरवरी, बुधवार की सुबह, भारतीय आईटी कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली। टीसीएस, इंफोसिस और विप्रो जैसी दिग्गज कंपनियों के शेयर 6 प्रतिशत तक गिर गए। यह गिरावट वॉल स्ट्रीट पर टेक शेयरों में हुई गिरावट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बढ़ते कंपटीशन के डर के कारण हुई।

इस गिरावट के पीछे मुख्य वजह ऐन्थ्रोपिक नामक कंपनी द्वारा अपडेट किए गए एआई चैटबॉट को माना जा रहा है। निवेशकों को डर है कि यह एआई टूल आईटी सर्विस कंपनियों के मेन बिजनेस को नुकसान पहुंचा सकता है।

इंफोसिस का शेयर भाव एनएसई पर लगभग 3 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया, जो 6 प्रतिशत गिरा। टीसीएस का शेयर भी इंट्राडे में 6 प्रतिशत गिरा। विप्रो 6.7 प्रतिशत और एचसीएल टेक 6.44 प्रतिशत गिरा। सभी आईटी इंडेक्स में मंदी रही, जिससे निफ्टी आईटी इंडेक्स 5.99 प्रतिशत नीचे आ गया। एशियाई बाजारों में भी यही ट्रेंड देखा गया। सिडनी में क्लाउड-आधारित अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर बनाने वाली कंपनी जीरो का शेयर 15 प्रतिशत तक गिरा, जो मार्च 2020 के बाद से सबसे बड़ी गिरावट थी। हांगकांग में सूचीत किंगसॉफ्ट क्लाउड होल्डिंग्स और जापान की नोमुरा रिसर्च इंस्टीट्यूट भी प्रत्येक कम से कम 6 प्रतिशत गिरी। ऐन्थ्रोपिक के कार्यस्थल उत्पादकता टूल लॉन्च करने के बाद एआई के खतरे और बढ़ने से, इंफोसिस, विप्रो, एचसीएल

टेक और पर्सिस्टेंट सिस्टम जैसी कंपनियों के शेयरों में गिरावट ने 1.75 लाख करोड़ रुपये का मार्केट वैल्यू कम कर दिया। पर्सिस्टेंट के शेयर सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। निफ्टी आईटी इंडेक्स के स्टॉक्स का कुल मार्केट वैल्यू गिरकर 30 लाख करोड़ रुपये रह गया।

यह डर वॉल स्ट्रीट से फैला, जहां टेक शेयरों से भरे नैस्डैक इंडेक्स में 1.4 प्रतिशत की गिरावट आई और इस सेक्टर का लगभग 300 अरब डॉलर का मार्केट वैल्यू खत्म हो गया। यह तेज गिरावट अमेरिकी एआई स्टार्टअप ऐन्थ्रोपिक के एक नए टूल की घोषणा के बाद आई, जो कॉर्पोरेट कानूनी टीमों के लिए बनाया गया है। इस टूल से कॉन्ट्रैक्ट समीक्षा, कानूनी ब्रीफ तैयार करना जैसे कई काम ऑटोमेट हो सकते हैं।

निवेशकों की बढ़ती चिंताएं

इस डेवलपमेंट ने सॉफ्टवेयर स्टॉक्स के आसपास पहले से मौजूद मंदी के मूड को और बढ़ा दिया है। निवेशक बढ़ती प्रतिस्पर्धा और एआई अपनाने से होने वाले मार्जिन दबाव को लेकर चिंतित हैं। बाजार के लोगों को डर है कि जैसे-जैसे एआई टूल अधिक सक्षम होते जाएंगे, तकनीकी कंपनियों को मुनाफा बनाए रखने और कीमतों पर नियंत्रण रखने में संघर्ष करना पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने अपने भारतीय मॉडल पोर्टफोलियो में आईटी सेक्टर का एक्सपोजर कम कर दिया है। फर्म का कहना है कि अब उसके पोर्टफोलियो में इस सेक्टर का वेटेज 5.6 है, जो एमएससीआई इंडिया के 9.7 वेटेज से काफी कम है। पिछले 16 महीनों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा 34 अरब डॉलर की निकासी के मद्देनजर यह सतर्कता बरती गई है, और आईटी सेक्टर इस दौरान सबसे ज्यादा प्रभावित रहा है। ऐन्थ्रोपिक ने चिंताओं को कम करने की कोशिश करते हुए स्पष्ट किया कि उसका प्लगइन कानूनी सलाह नहीं देता है।

मां ने घर का पंखा बेचकर किया था पिता का अंतिम संस्कार

बेटी आज 157 करोड़ की कंपनी की मालकिन

नई दिल्ली, एजेंसी। सीढ़ियां उन्हें मुबारक, जिन्हें छत तक जाना है। जिनका मंजिल है आसमां, उन्हें रास्ता खुद बनाना है।। ये पंक्तियां आत्मविश्वास और कड़ी मेहनत के दम पर

अपने भाग्य को स्वयं लिखने का संदेश देती हैं। ऐसा ही कुछ अपना भाग्य लिखा ग्वालियर की रहने वाली सीमा बंसल ने। सीमा बताती हैं, मेरे पिता का देहांत तब हो गया था जब मैं डेढ़ साल की थी। हमारे हालात इतने खराब थे कि मेरी मां के पास मेरे पिता का अंतिम संस्कार करने के लिए भी पैसे नहीं थे। हमारे घर में एक सीलिंग फैन था, जिसे मेरी मां ने 170 रुपये में बेच दिया था और उसी पैसे से उन्होंने मेरे पिता का अंतिम संस्कार किया। आज समय पूरी तरह बदल गया है। सीमा एक पैकेजिंग बिजनेस चलाती हैं। अपनी हिम्मत और लगातार मेहनत से, उन्होंने एक ऐसी कंपनी खड़ी की है जिसके काम आज पूरे भारत और यूएई में फैले हुए हैं। उन्होंने कभी हार नहीं मानी, मुश्किलों का सामना किया। अपनी लगन और पक्के इरादे से उन्होंने एक छोटी सी शुरुआत को आज 157 करोड़ रुपये की कंपनी बना दिया है। उनकी कंपनी का नाम डीसीजी पैक्स है। वह कंपनी की फाउंडर और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं।

आसान नहीं रहा सफर: सीमा बंसल जब पहली बार पैकेजिंग का बिजनेस शुरू करने के बारे में सोच रही थीं, तब वे बेरोजगार थीं। उनके पास कोई पैसा नहीं था। उन्होंने अपने घर के एक छोटे से डेस्क से काम शुरू किया और हर काम खुद ही करती थीं। वे गाड़ी चलाती थीं, सामान बेचती थीं, हिसाब-किताब रखती थीं और मैनेजर भी वही थीं। बिजनेस चलाने के लिए जो भी छोटे-मोटे काम थे, सब वे खुद ही करती थीं। उन्होंने अपनी मेहनत के दम पर कंपनी को बड़ा किया। सीमा बंसल की कंपनी आज भारत की पैकेजिंग इंडस्ट्री में एक बड़ा नाम बन चुकी है। उनकी कंपनी पैकेजिंग के सॉल्यूशंस देती है। वे 50,000 से ज्यादा ग्राहकों को टिकाऊ और टेक्नोलॉजी वाली पैकेजिंग देती हैं, जो आज के बदलते बिजनेस की जरूरतों को पूरा करती है।

मुश्किल में बीता बचपन: सीमा बंसल का बचपन मुश्किलों में बीता है। पिता के जाने के बाद उनकी मां ने अकेले ही चार बच्चों को पाला। वे संगीत सिखाकर पैसे कमाती थीं और चारों बच्चों को एक इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ाती थीं। लेकिन जैसे-जैसे बच्चे बड़े हुए और पढ़ाई का खर्च बढ़ा, मां के लिए सब संभालना मुश्किल हो गया। तब उन्होंने सीमा को एक सरकारी स्कूल में डाल दिया। वहां पढ़ाई का तरीका बिल्कुल बदल गया, सीमा के कोई दोस्त नहीं थे और वे छह महीने तक स्कूल नहीं गईं। जब वे वापस लौटीं, तो उन्होंने अपनी क्लास में टॉप किया।

भारत-चीन का व्यापार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा

भारत-चीन के संबंधों में सुधार, दोनों देशों के बीच व्यापार पहुंचा 155.6 अरब डॉलर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से अटके व्यापार समझौते पर सहमति बन गई है। इसके अलावा पारस्परिक टैरिफ भी घटकर 18 फीसदी हो गया है। जिसके बाद अमेरिका और भारत के बीच नए व्यापारिक युग की शुरुआत हुई है। इससे पहले 27 जनवरी को भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए गए। इस बीच भारत की दुनिया की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था यानी चीन के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है।

दरअसल, नई दिल्ली में मंगलवार (03 फरवरी) को आयोजित चीनी नववर्ष के अवसर पर एक कार्यक्रम में भारत में चीन के राजदूत जू फेइहोंग ने बताया कि दोनों देशों के बीच व्यापार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। 2026 चीनी नव वर्ष समारोह में जू फेइहोंग ने कहा, पिछले अगस्त में राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तियानजिन में एक सफल बैठक की, जिसने चीन-भारत संबंधों को एक नए सिरे से शुरुआत से सुधार

के एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है। सभी स्तरों पर आदान-प्रदान अधिक नियमित हो गए हैं। आर्थिक और व्यापारिक सहयोग नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। लोगों के बीच आदान-प्रदान अधिक सक्रिय हो गया है। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि द्विपक्षीय संबंधों में निरंतर सुधार हुआ है। 2025 में चीन और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार 155.6 अरब अमेरिकी डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 12 फीसदी से अधिक की वृद्धि दर्शाता है। चीन को भारत के निर्यात में 9.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो दोनों देशों के बीच आर्थिक और व्यापारिक सहयोग की अपार संभावनाओं को प्रदर्शित करता है। चीनी राजदूत ने आगे कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर आत्मनिर्भरता पर चीन का जोर भारत की आत्मनिर्भर भारत रणनीति से मेल खाता है। इसी के साथ राजदूत ने कहा कि व्यापार में यह इजाफा दोनों देशों के संबंधों में सुधार के साफ संकेत हैं। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के महावाणिज्य दूतावास ने स्प्रिंग फेस्टिवल (चीनी नव वर्ष) 2026 का आयोजन किया गया। जिसे लेकर चीनी महावाणिज्यदूत जू वेई ने कहा, मुझे खुशी है कि मेरे स्वागत समारोह में कई भारतीय मित्र आए। एक भारतीय कलाकार ने चीनी मार्शल आर्ट का प्रदर्शन किया, जो बेहद अद्भुत था। उन्होंने भी इसका खूब आनंद लिया।

इससे पता चलता है कि हमारी साझा संस्कृति और जुड़ाव के माध्यम से हम कितने करीब हैं।

विदेशी निवेशकों को रिझाने के लिए सेबी का बड़ा प्लान

30 की जगह 5 दिन में होगा यह काम

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने भारतीय शेयर मार्केट से दूर हो रहे विदेशी निवेशकों को रिझाने का एक प्लान बनाया है। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने कहा है कि बाजार नियामक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के रजिस्ट्रेशन की समयसीमा काफी कम करने की योजना बना रहा है। पांडेय के अनुसार, लक्ष्य है कि यह प्रक्रिया केवल 5 दिनों में पूरी हो, जबकि वर्तमान में इसके लिए 30 दिनों का प्रावधान है। हालांकि, लोगों की धारणा है कि इसमें कई महीने लग जाते हैं।

विदेशी निवेशकों को और आकर्षित करने के लिए, सेबी उन्हें भारतीय बाजारों में प्रवेश करने के तरीके समझाने के लिए वेबिनार आयोजित कर रहा है ताकि उनकी ऑन बोर्डिंग प्रक्रिया आसान और तेज हो। पांडेय ने बताया कि सेबी अधिकारियों द्वारा आयोजित ऐसे वेबिनार में लगभग 2,000 एफपीआई शामिल हुए हैं। नियामक भारतीय पूंजी बाजार को विदेशी निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक बनाना चाहता है, क्योंकि हाई वैल्युएशन और कमजोर कमाई जैसे कारण निवेशकों के रुख को प्रभावित कर रहे हैं। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में एफपीआई ने शेयर बाजार से 1.66 लाख करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी, जबकि एक साल पहले उनका 427 करोड़ रुपये का निवेश आया था।

कैपिटल गेन टैक्स एक चुनौती

हालांकि, एफपीआई को अभी भी भारतीय बाजारों में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जैसे कि उनके निवेश लाभ पर कैपिटल गेन टैक्स। पांडेय ने माना कि अधिकांश अधिकार क्षेत्रों में विदेशियों के लिए कैपिटल गेन टैक्स नहीं है, लेकिन यह मामला सेबी के दायरे में नहीं आता है। भारत में, निवेश पर कर निवेश की अवधि के आधार पर लगाया जाता है। 12 महीने से पहले बुक किए गए लाभ को शॉर्ट टर्म निवेश माना जाता है, जिस पर 20 प्रतिशत टैक्स लगता है, जबकि 12 महीने के बाद बुक किए गए प्रॉफिट पर लॉन्ग टर्म निवेश होते हैं और उन पर 12.5 प्रतिशत टैक्स लगता है।

प्रक्रिया होगी आसान

पांडेय ने यह भी कहा कि कुछ छोटी जापानी इकाइयों ने न केवल भारत आने, बल्कि वहां लिस्ट होने की इच्छा जताई। उन्होंने कहा कि वे भारत में शोध कार्य करना और एक आरएंडडी सुविधा स्थापित करना चाहते हैं जो सूचीबद्ध हो। अनुमति समयसीमा कम करने का यह प्रयास प्रक्रिया के अधिक डिजिटलीकरण से जुड़ा हुआ है, जिसमें डिजिटल हस्ताक्षर का उपयोग भी शामिल है। एक बार प्रक्रिया पूरी तरह से डिजिटल हो जाने के बाद, नियामक समयसीमा को अधिक पारदर्शी तरीके से ट्रैक और गणना करने की योजना बना रहा है। विदेशी निवेशकों की ऑन बोर्डिंग को आसान बनाने के लिए सेबी ने हाल ही में कई पहल की हैं। वर्ष 2025 में, इसने स्वागत-एफआई नामक एक डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया, जो एफपीआई के लिए रजिस्ट्रेशन, डॉक्यूमेंटेशन और कंप्लेन के समधान के लिए सिंगल-विंडो इंटरफेस के रूप में कार्य करता है। इस प्लेटफॉर्म के साथ, बाजार नियामक का लक्ष्य एफपीआई, बिचौलियों और नियामक के बीच समन्वय में सुधार करना है, ताकि देरी कम हो और एफपीआई रजिस्ट्रेशन और पोस्ट-रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता और पूर्वानुमेयता आए। वर्ष 2026 में अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय इक्विटी से लगभग 35,962 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। हाई वैल्यूएशन और कमाई में लंबे समय तक मंदी ने विदेशी निवेशकों को भारतीय शेयरों से पैसा निकालकर ताइवान और दक्षिण कोरिया जैसे एआई-संचालित बाजारों में लगाने के लिए प्रेरित किया है।

सोने-चांदी के भाव गिरने का इंतजार करने वालों को झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले दिनों भारी गिरावट के दौरान बहुत से लोग इस मुगालते

में रहे कि सोने-चांदी के भाव अभी और गिरेंगे। इस वजह से शादियों वाले घरों में खरीदारी नहीं हो पाई। दाम गिरने का इंतजार करने वालों को आज भी बड़ा झटका लगा है। सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 6629 रुपये महंगा हुआ जबकि, चांदी 12573 रुपये उछली।

आज सोना बिना जीएसटी 158158 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुला। जबकि, चांदी 276538 रुपये प्रति किलो के हिसाब से खुली। जीएसटी समेत सोना आज 162902 रुपये और चांदी 284834 रुपये पर पहुंच गई है। हीं, प्लैटिनम भी 2548 रुपये उछलकर 72672 रुपये पर पहुंच चुका है। लवार को चांदी बिना जीएसटी 263965 रुपये पर बंद हुई। इसी तरह सोना बिना जीएसटी 151529 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

अभी ऑल टाइम हाई से कितना सस्ता है सोना-चांदी: सोना सर्राफा मार्केट के अपने ऑल टाइम हाई 176121 से अभी 17963 रुपये गिर चुका है। जबकि, चांदी 29 जनवरी के अपने ऑल टाइम हाई 385933 रुपये किलो से 109395 रुपये सस्ती हो चुकी है।यह रेट आईबीजेए द्वारा जारी किए गए हैं। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास। अभी यह रेट दोपहर 12 बजे वाला है।

हालांकि, पिछले हफ्ते की भारी उतार-चढ़ाव ने छोटे निवेशकों को दूर रखा होगा, जो खरीदारों का एक बड़ा हिस्सा हैं।

18 और 22 कैरेट गोल्ड के रेट

22 कैरेट गोल्ड अब 6072 रुपये महंगा होकर 144873 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। जीएसटी संग यह 149219 रुपये है। इसके साथ ही 18 कैरेट गोल्ड में भी 6603 रुपये की अच्छी खासी तेजी दर्ज की गई है। आज यह 118619 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला है और जीएसटी के साथ इसकी कीमत 122177 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है।

14 और 23 कैरेट के रेट्स

14 कैरेट गोल्ड का रेट 3875 रुपये चढ़ा है। आज यह 92522 रुपये पर खुला और जीएसटी समेत यह 95297 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिलेगा। आज 23 कैरेट गोल्ड भी 6603 रुपये उछलकर 157525 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर खुला। कीमत अब 162250 रुपये हो गई है। ब्लूमबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में टीडी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ कमोडिटी रणनीतिकार डैनियल घाली के हवाले से बताया है कि कीमती धातुओं में जबरन बिकवाली का दौर संभवतः खत्म हो चुका है।

48 प्रतिशत मुनाफे के साथ लिस्ट हुआ एक्रेशन नुट्रावेदा आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। एक्रेशन नुट्रावेदा आईपीओ शेयर बाजार में आज यानी 4 फरवरी को कमजोर शुरुआत की। कंपनी के शेयर बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर 191 के भाव पर लिस्ट हुए, जो इसके इश्यू प्राइस 129 से करीब 48 प्रतिशत ज्यादा है। हालांकि, बीएसई पर यह शेयर 155.60 पर लिस्ट हुआ, जो इश्यू प्राइस से लगभग 4 प्रतिशत नीचे रहा। ग्रे मार्केट में जिस तरह की मजबूत लिस्टिंग की उम्मीद जताई जा रही थी, उसके मुकाबले यह शुरुआत थोड़ी फीकी मानी जा रही है। अगर सब्सक्रिप्शन की बात करें तो यह आईपीओ तीन दिन में कुल 1.83 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा

खुली निविदा संख्या 53–अम्बाला/2025–26, दिनांकः 03.02.2026

वरिष्ठ मंडल अभियंता–समन्वय/अम्बाला के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई–निविदा के माध्यम से इच्छुक ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु खुली निविदायें आमंत्रित की जाती है जो कि उन कार्यों के सामने दी गयी तिथि को **15:00 बजे** तक खुली रहेगी और उसके बाद खोली जाएगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (Rs.)	अग्रिम राशि (Rs.)	कार्य समाप्ति का समय	निविदा खुलने की तिथि
1	सीनियर डीईएन–IV/यूएमबी के अंतर्गत एडीईएन/आरपीजे और एडीईएन/एसआईआर खंडों में मोबाइल फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट के साथ साइट पर रेल की वेल्डिंग, स्वीकृत कार्य के साथः (i) सरहिंद – नांगल बांध (एसएल) – टीआरआर (पी) – 40.575 टन किमी और (ii) अंबाला जंक्शन – लुधियाना जंक्शन (यूपी) – टीआरआर (पी) – 11.928 टन किमी और सहारनपुर जंक्शन – अंबाला कैंट जंक्शन (यूपी) – टीआरआर (पी) – 0.500 टन किमी।	5,34,10,173/-	4,17,100/-	18 महीने	26.02.2026
2	एआरटी/एसआरई, केएलके और एसपीएआरएमएआरएमवी बीटीआई के लिए अवसंरचनात्मक सुविधाओं का निर्माण (केवल बीटीआई में सिविल कार्य)।	13,03,683/-	26,100/-	06 महीने	26.02.2026
3	एडीईएन/एसएमएल के अंतर्गत एसएसई/डब्ल्यू/एसएमएल खंड में पुल संख्या 800 पर सीसी और आरसीसी रिटेनिंग वॉल, फर्श, ड्रॉप वॉल और संबंधित सुरक्षा कार्यों का प्रावधान।	1,36,89,312/-	2,18,500/-	12 महीने	26.02.2026

नोटः 1. ठेकेदार को शर्तों के अनुसार निविदा योग्यता पूरी करने हेतु सभी जरूरी सम्बंधित डॉक्यूमेन्टों के स्कैनिंग कॉपी को रेलवे वेबसाइट IREPS पर अपलोड करनी जरूरी है। 2. अग्रिम राशि ऑन लाइन पेमेन्ट नेट बैंकिंग/गेटवे पेमेन्ट के द्वारा ही स्वीकार्य होगें। 3. निविदा की विस्तृत जानकारी हेतु रेलवे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर लॉग ऑन करें। 4. ठेकेदार को ई–निविदा में भागीदारी हेतु (क्लास–III) डिजिटल सिगनेचर सार्टिफिकेट द्वारा लोग ऑन करना होगा। 5. जी. एस. टी. एक्ट 2017 के अनुसार लागू होगी। **385/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जेईई मेन फेल छात्रों के लिए करियर ऑप्शन

जेईई मेन परीक्षा में कई छात्र फेल हुए हैं। फेल छात्र करियर को लेकर चिंतित हैं। इस परीक्षा में जो अभ्यर्थी फेल हुए हैं उनके लिए हम यहां पर करियर ऑप्शन बता रहे हैं।

जेईई मेन परीक्षा में कई छात्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। जबकि कई छात्र फेल भी हुए हैं। फेल छात्र करियर को लेकर चिंतित हैं। ऐसे में हम बताते हैं कि जेईई मेन फेल छात्रों के लिए करियर ऑप्शन क्या हैं?

दोबारा से करें तैयारी

अगर आप जेईई मेन की परीक्षा नहीं पास कर पाएं हैं तो दोबारा से तैयारी करें। क्योंकि कोई भी अभ्यर्थी इस परीक्षा को दो बार दे सकता है। ऐसे में तैयारी बेहतर और नई स्ट्रैटेजी के साथ करें। अगर तैयारी अच्छी होगी तो आपको सफलता पाने से कोई रोक नहीं पाएगा।

इंजीनियरिंग परीक्षा दें

अभ्यर्थी स्टेट स्तर की इंजीनियरिंग परीक्षा दे सकते हैं। देश के लगभग सभी राज्यों की तरफ से स्टेट स्तर की परीक्षा आयोजित की जाती है। जिसके तहत विभिन्न ट्रेड में बीटेक में प्रवेश दिया जाता है। ऐसे में छात्र यूपी, दिल्ली, एमपी, हरियाणा सहित अन्य राज्यों की राज्य स्तरीय इंजीनियरिंग की परीक्षा दे सकते हैं।

प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज में लें दाखिला

जो छात्र जेईई मेंस की परीक्षा नहीं पास कर पाएं हैं, वे प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज में भी दाखिला ले सकते हैं। देश में कई ऐसे प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज हैं, जो बीटेक कराते हैं। हालांकि, छात्रों को सलाह है कि वे प्राइवेट कॉलेजों में एडमिशन लेने से पहले वेरिफिकेशन जरूर कर लें।

दूसरे क्षेत्र में भी बना सकते हैं करियर

अगर जेईई मेन की परीक्षा में फेल हुए हैं तो छात्र कोई अन्य कोर्स भी कर सकते हैं। जैसे पांच वर्षीय एलएलबी, पांच वर्षीय एमबीए सहित अन्य। कई ऐसे संस्थान हैं जो पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स कराते हैं।

सरकारी नौकरी की करें तैयारी

अगर छात्र चाहें तो देश की सबसे प्रतिष्ठित नौकरी यूपीएससी की सिविल सर्विसेज की तैयारी कर सकते हैं। हालांकि, उन्हें ग्रेजुएशन में प्रवेश लेना होगा। क्योंकि बिना ग्रेजुएशन किए सिविल सर्विसेज की परीक्षा कोई नहीं दे सकता है। अगर छात्र अभी से सिविल सर्विसेज की तैयारी करेंगे तो तीन साल बाद जब ग्रेजुएशन कर लेंग तो सिविल सर्विसेज की परीक्षा देने पर आसानी से क्लियर कर लेंगे।

वाइल्ड लाइफ के क्षेत्र में बना सकते हैं शानदार करियर

यदि प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखना है और आने वाली पीढ़ी को एक स्वस्थ पर्यावरण मुहैया करवाना है, तो जीव जंतुओं के बीच की कड़ी को बनाए रखना होगा। अगर आपको वन क्षेत्र और जंगली जीव-जंतुओं से प्यार है, वन क्षेत्र में समय बिताने में आपको आनंद आता है, यदि वाइल्ड लाइफ आपको आकर्षित करता है, तो वाइल्ड लाइफ के क्षेत्र में आप शानदार करियर बना सकते हैं।

कुछ वर्ष पहले तक पक्षियों की चहचहाहट केवल गांवों में ही नहीं, बल्कि शहरों में भी आसानी से सुनी जा सकती थी, लेकिन बढ़ते शहरीकरण के कारण पक्षियों का कोलाहल शहरों में अब कम ही सुनने को मिलता है। पक्षी व जानवर अपने आवास को छोड़ने पर मजबूर हो गए हैं। कई जीव-जंतु विलुप्त हो गए हैं, तो कई प्रजातियां लुप्त होने के कगार पर हैं, क्योंकि शहरीकरण बढ़ने लगा है और वन सिमटने लगे हैं। ऐसे में यदि वाइल्ड लाइफ आपको आकर्षित करता है, तो वाइल्ड लाइफ के क्षेत्र में शानदार करियर बना सकते हैं। सच पूछिए तो वाइल्ड लाइफ और पर्यावरण हमारे जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हम छोटे-छोटे इंसेक्ट्स को भी दरकिनार नहीं कर सकते, क्योंकि इन्हीं की वजह से फसलें पॉलिनेट हो पाती हैं। कहने का तात्पर्य है कि हर जीव-जंतु प्राकृतिक संतुलन को कायम रखने में विशेष भूमिका निभाता है। यदि प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखना है और आने वाली पीढ़ी को एक स्वस्थ पर्यावरण मुहैया कराना है, तो जीव-जंतुओं के बीच की कड़ी को बनाए रखना होगा। अगर आपको वन क्षेत्र और जंगली जीव-जंतुओं से प्यार है, वन क्षेत्र में समय बिताने में आपको आनंद आता है, यदि वाइल्ड लाइफ आपको आकर्षित करता है, तो वाइल्ड लाइफ के क्षेत्र में आप शानदार करियर बना सकते हैं।

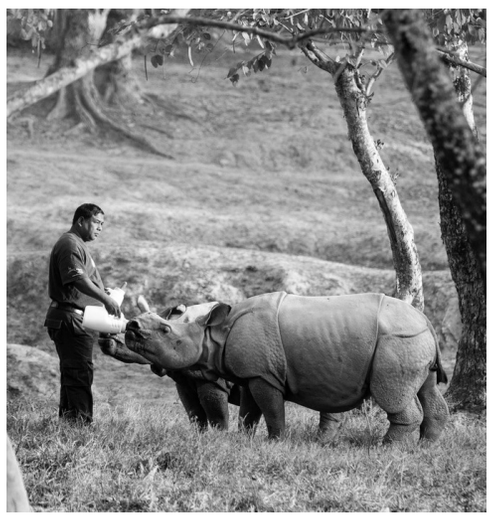

कोर्स

- बीएससी इन वाइल्ड लाइफ
- एमएससी इन वाइल्ड लाइफ बायोलॉजी
- एमएससी इन वाइल्ड लाइफ
- पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री इन वाइल्ड लाइफ साइंस
- अंडर ग्रेजुएट कोर्स इन वाइल्ड लाइफ
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एडवांस्ड वाइल्ड लाइफ साइंस
- बीएससी इन फोरेस्ट्री इन वाइल्ड लाइफ मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन जू एंड वाइल्ड एनिमल हैल्थ केयर एंड मैनेजमेंट
- सर्टिफिकेट कोर्स इन वाइल्ड लाइफ मैनेजमेंट

कैसे पहुंचें मुकाम पर

इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए विज्ञान विषय से 12वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है और 12वीं के बाद बायोलॉजिकल साइंस से बीएससी की डिग्री जरूरी है। एग्रीकल्चर में बैचलर डिग्री भी इस क्षेत्र में प्रवेश दिला सकती है। फोरेस्ट्री या एन्वायरनमेंटल साइंस से भी स्नातक की डिग्री ली जा सकती है। बीएससी के बाद वाइल्ड लाइफ साइंस से एमएससी करने वालों के लिए भी यह क्षेत्र असीम संभावनाओं से भरा हुआ है।

रोजगार के अवसर

आज इस क्षेत्र में संभावनाओं की कमी नहीं है। अपेक्षित डिग्री हासिल करने के बाद मुंबई नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी, वर्ल्ड वाइड फंड, वाइल्ड लाइफ इंस्टीच्यूट ऑफ इंडिया, वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के अलावा कई ऐसे आर्गेनाइजेशंज हैं, जिनमें रिसर्चज और प्रोजेक्ट आफिसर्ज के रूप में काम कर सकते हैं। वाइल्ड बायोलॉजिस्ट के क्षेत्र में भी भरपूर अवसर हैं। इस क्षेत्र में कोर्स पूरा करने के बाद वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरीज, एन्वायरनमेंटल एजेंसी, जूलॉजिकल फर्म, एन्वायरनमेंटल कंसल्टेंसी फर्म, नॉन गवर्नमेंटल आर्गेनाइजेशन, एग्रीकल्चरल कंसल्टेंट फर्म, इंडियन काउंसिल ऑफ फोरेस्ट रिसर्च एंड एजुकेशन और ईको रिहैबिलीटेशन फर्मों में नौकरी पा सकते हैं।

पारिश्रमिक

प्राइवेट सेक्टर में वाइल्ड लाइफ साइंटिस्ट को 30 से 35 हजार रुपए मासिक वेतन मिलता है। यह वेतन सीनियोरिटी और अनुभव के साथ बढ़ता जाता है। पीएचडी होल्डर एक वरिष्ठ वैज्ञानिक का 50 हजार प्रतिमाह वेतन हो सकता है। इसके विपरीत एनजीओ या सरकारी विभाग में वाइल्ड लाइफ साइंस से जुड़े कर्मचारियों को काफी अच्छे वेतनमान पर नौकरियां मिलती हैं।

जोखिम के साथ पैसा भी

यदि आपको प्रकृति और वन्य जीवों से थोड़ा भी लगाव है या इनके क्रियाकलापों और जीवन को जानने में आपकी विशेष रुचि है तो समझ लीजिए आपको रोजगार की राहें खुल गई हैं। क्योंकि सरकारी संस्थाओं के अलावा देश-विदेश के एनजीओ भी वाइल्ड लाइफ से जुड़े कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट की तलाश करते रहते हैं। हालांकि इस क्षेत्र में अन्य क्षेत्रों की तरह सुविधाएं नहीं हैं, लेकिन आपमें काम करने का जुनून है तो पैसे कोई मायने नहीं रखते। वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट के काम को समझते हुए संस्थान इस क्षेत्र से जुड़े पेशवरों को धन संबंधी समस्याएं नहीं आने देते।

प्रमुख संस्थान

- वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया,देहरादून
- हिमाचल फोरेस्ट रिसर्च इंस्टीच्यूट, शिमला
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, बंगलूर
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बंगलूर
- नेचर कंजरवेशन फाउंडेशन, मैसूर
- सौराष्ट्र विश्वविद्यालय राजकोट, गुजरात
- गुरु घासीराम विश्वविद्यालय बिलासपुर, मध्यप्रदेश
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तरप्रदेश

दक्षता क्या हो

- बायोलॉजी, मैथमेटिक्स तथा स्टेटिस्टिक्स में मजबूत पकड़ हो।
- वन्य जीवन के प्रति आकर्षण हो।
- बेहतर कम्युनिकेशन स्किल व आंतरिक दक्षता हो।
- कम्प्यूटर पर काम करने की जानकारी हो।

कार्य स्वरूप

- फील्ड साइट पर पहुंच कर डाटा एकत्र करना।
- फील्ड साइट की भौगोलिक स्थिति के मुताबिक ऊबड़-खाबड़ और मुश्किल रास्तों पर चढ़ाई या ड्राइव करना होता है।
- वन्य जीव विशेषज्ञों से मिलना और बातचीत करना।
- साइंटिफिक पेपर, टेक्निकल रिपोर्ट या पॉपुलर ऑर्टिकल्स का काम पूरा करना या अनुदान या वित्तीय सहायता के लिए लिखना तथा नीति निर्माताओं या कॉलेबोरेटर्स से मुलाकात करना।

डेली प्रैक्टिस से इंग्लिश की तैयारी बेहतर तरीके से की जा सकती है। जिन कैंडिडेट ने इंग्लिश का सब्जेक्ट चुना होगा, उम्मीद होगा कि अब तक उन्होंने इस टॉपिक को कवर कर लिया होगा। ए उन टॉपिक का ज्यादा रिवीजन करें जिनसे एग्जाम में प्रश्न पूछे जाएंगे। इंग्लिश के एग्जाम में कौन से टॉपिक्स से प्रश्न पूछे जाते हैं, यह बताने के लिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से तीन-तीन एक्सपर्ट्स को लेकर आए हैं। जिनके टिप्स की मदद से आप अपने इंग्लिश के सब्जेक्ट और अच्छे से इंप्रूव कर सकेंगे।

कैसे करें इंग्लिश की तैयारी सिलेक्शन में होगी आसानी

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

एक्सपर्ट प्रमोद ने बताया ने कि छात्रों के पास अब लिमिटेड समय है। इसलिए छात्रों को अब उन्हीं टॉपिक्स पर फोकस करना चाहिए, जिनमें वह खुद कंफर्टेबल हैं। जिनमें उनकी तैयारी पहले से है। लास्ट मौके पर नए टॉपिक्स को पढ़ कर खुद को कंफ्यूजन से बचाना चाहिए। इंग्लिश सब्जेक्ट एक्सपर्ट के अनुसार, कुछ टॉपिक ऐसे होते हैं, जिनसे हर एग्जाम में प्रश्न पूछे जाते हैं। यह टॉपिक भले ही कितने मुश्किल क्यों ने हों, छात्रों का उन्हें अच्छे से तैयार कर लेना चाहिए। इंग्लिश लैंग्वेज के पेपर में एक्टिव वॉइस-पैसिव वॉइस, नरेशन, टेंस, आर्टिकल, प्रीपोजिशन और कंजक्शन से जुड़े अधिकतर सवाल पूछे जाते हैं। इसलिए स्टूडेंट को इन टॉपिक के अच्छे से तैयार करना चाहिए।

फॉलो करें ये टिप्स

- इंग्लिश में सिलेबस को लिटरेचर, फोनेटिक्स ग्रामर और कॉम्प्रिहेंशन में बांटकर तैयारी करें।
- ग्रामर के टापिक्स को क्लियर करने के लिए डिटेल में पढ़ने की जगह चैप्टर की थ्योरी को पढ़कर उसके मल्टीपल चॉइस के सवालों सॉल्व करें।
- साल्ट समय में ज्यादा से ज्यादा पैसेज सॉल्व कर प्रैक्टिस पर फोकस करें। प्रैक्टिस करने से पेपर में आपको फायदा मिलेगा।
- एग्जाम में वोकेबलरी के कुछ सवाल पूछे जाते हैं। वोकेबलरी की लिस्ट तैयार कर रिवीजन करें। वोकेबलरी अच्छी होने से आप एग्जाम में अच्छा स्कोर कर पाएंगे।
- स्टूडेंट्स को एग्जाम टाइम में सबसे पहले सोशल मीडिया से दूरी बना लेनी चाहिए। क्योंकि एग्जाम के दौरान एक गलत जानकारी आपके पूरे माइंडसेट को बिगाड़ सकता है।
- इंग्लिश में अनसीन पैसेज बहुत महत्वपूर्ण हैं।
- फोनेटिक्स की यूनिट में सिंबल्स को जरूर देखना चाहिए। पेपर में इस पोर्शन से सवाल आने की पूरी संभावना है।
- इंग्लिश लैंग्वेज में Tense से लेकर सभी भागों को कवर करना जरूरी है।
- पेपर में अनसीन पैसेज और कॉम्प्रिहेंशन का एक हिस्सा भी आता है।
- इंग्लिश में जो टॉपिक हैवी हैं, उन्हें छोड़ने की गलती नहीं करनी चाहिए। शर्ट नोट्स बनाकर इन टापिक्स की तैयारी करें।
- एग्जाम की तैयारी के दौरान हर पार्ट को अलग-अलग डिवाइड कर उसको सॉल्व करें।
- एग्जाम के दौरान एक ही पोर्शन में ज्यादा समय न लगाएं। क्योंकि इससे आपका पेपर छूट सकता है।
- मॉडल पेपर को सॉल्व करने के दौरान स्पीड पर भी ध्यान दें। क्योंकि एग्जाम की समय सीमा होता है।
- टेस्ट सीरीज के सवालों और लास्ट ईयर के पेपर को भी ज्यादा से ज्यादा सॉल्व करने की कोशिश करें।

इन टिप्स को करें फॉलो

- इंग्लिश के प्रश्नों का लेवल मॉडरेट रहेगा इसलिए सिर्फ बेसिक पर ज्यादा फोकस करना चाहिए। ऐसे में प्रैक्टिस सेट से अपनी तैयारी को अधिक मजबूत करें। प्रैक्टिस सेट सॉल्व करने के बाद मॉडल पेपर का एनालिसिस करना न भूलें। क्योंकि जो गलतियां आप प्रैक्टिस सेट में करेंगे उन पर अधिक ध्यान देना चाहिए।
- पेपर में कुछ महत्वपूर्ण टॉपिक जैसे एक्टिव-पैसिव, डायरेक्ट-इनडायरेक्ट, टेंस, इवैल्यूएशन और प्रिंसिपल्स ऑफ टीचिंग इंग्लिश को अच्छे से तैयार करना चाहिए।
- प्रश्न-पत्र सॉल्व करते उसकी लैंग्वेज पर विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए। कई बार लैंग्वेज समझ नहीं आने पर आपका आंसर गलत हो सकता है। इसलिए पेपर को अच्छे से पढ़कर तभी आंसर लिखें।
- पेपर में छात्र सभी प्वाइंट्स को ध्यान में रखकर अगर आंसर देते हैं तो उन्हें अच्छा स्कोर करने से कोई भी नहीं रोक सकता है।

विमेंस प्रीमियर लीग के फाइनल में आज आरसीबी और दिल्ली कैपिटल्स की खिताबी जंग

वडोदरा (एजेंसी)। विमेंस प्रीमियर लीग 2026 का खिताब मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला जाएगा। लीग के पॉइंट्स टेबल में टॉप पर रहकर आरसीबी ने सीधे फाइनल में एंट्री मारी थी। वहीं दूसरे और तीसरे नंबर पर रही गुजरात जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच एलिमिनेटर खेला गया। इसमें जेमिमा रोड्रिग्स की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स ने 7 विकेट से जीत हासिल करके फाइनल का टिकट कटाया। दिल्ली की टीम चौथी बार फाइनल में पहुंची है तो आरसीबी का दूसरा खिताबी मुकाबला होगा। स्मृति मंधाना आरसीबी की कप्तान हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स के बीच विमेंस प्रीमियर लीग 2026 का खिताबी मुकाबला 5 फरवरी को खेला जाएगा। यह मैच वडोदरा के बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम पर होना है। मैच की शुरुआत भारतीय समय अनुसार शाम 7 बजकर 30 मिनट पर होगी। इसके लिए टॉस 7 बजे होगा। दिल्ली अभी तक एक बार भी लीग को नहीं जीत पाई है। आरसीबी ने दिल्ली को ही हराकर 2024 सीजन अपने नाम किया था।

आरसीबी को हरा चुकी दिल्ली

इस सीजन आरसीबी ने दमदार खेल दिखाया है। लीग राउंड में टीम ने लगातार 5 मैच जीतकर प्लेऑफ में एंट्री मारी थी। दिल्ली कैपिटल्स ही वह टीम थी जिसने आरसीबी को विजयी रथ को रोका था। सीजन के 15वें मैच में दिल्ली ने आरसीबी को 7 विकेट से मात दी थी। वह मुकाबला भी वडोदरा में ही खेला गया था। दोनों टीमों के बीच अभी तक 9 मुकाबले हुए हैं। इसमें दिल्ली ने 6 जीते हैं जबकि आरसीबी के खाते में तीन मैच आए हैं।

इस प्रकार हैं दोनों टीमें

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु- ग्रेस हैरिस, स्मृति मंधाना (कप्तान), जॉर्जिया वोल, गौतमी नाइक, ऋचा घोष (विकेटकीपर), नादिन डी क्लर्क, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, प्रेमा रावत, सयाली सतघरे, लॉरेन बेल, प्रथ्योषा कुमार, अरुंधति रेड्डी, दयालन हेमलता, पूजा वस्त्राकर, लिन्से स्मिथ।

दिल्ली कैपिटल्स- शैफाली वर्मा, लिजेल ली (विकेटकीपर), लौरा वोल्वार्ड्ट, जेमिमाह रोड्रिग्स (कप्तान), मारिज़ैन कप्प, निकी प्रसाद, स्नेह राणा, लुसी हैमिल्टन, श्री चरणी, नंदनी शर्मा, मिन्नू मणि, तानिया भाटिया, अलाना किंग, चिनेले हेनरी, प्रगति सिंह, एडडला स्रुजाना।

हितेश और प्रीति की अगुवाई में भारतीय मुक्केबाजों की शानदार शुरुआत

लानुसिया (स्पेन) (एजेंसी)। हितेश गुलिया और प्रीति के दमदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय मुक्केबाजों ने बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 मुक्केबाजी टूर्नामेंट में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 21 देशों के 214 मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं और भारत के खिलाड़ियों ने पहले ही दिन मजबूत उपस्थिति

दर्ज कराई।

हितेश और प्रीति की एकतरफा जीत- पुरुषों के एलीट 70 किग्रा वर्ग में हितेश गुलिया ने शानदार तकनीक और आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए नीदरलैंड के फिन बोस को 5-0 से हराया। वहीं महिलाओं के एलीट 54 किग्रा वर्ग में प्रीति ने कजाकिस्तान की अलियास्कर सिम्बैट को 5-0 से मात देकर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई।

महिला वर्ग में भारत का दबदबा- भारत की अन्य महिला मुक्केबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन जारी रखा। प्राची (57 किग्रा) और प्रिया (60 किग्रा) ने क्रमशः स्पेन की वनेसा मोरेल रामिरेज़ और कनाडा की एलेशिया मानसुएटो को 5-0 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। काजल (65 किग्रा) ने भी कजाकिस्तान की असीम तनातार को 4-1 से हराकर प्रभावशाली जीत दर्ज की।

सुप्रीम कोर्ट बोला-जिन्हें बैट पकड़ना नहीं आता, वे क्रिकेट संघों में

● **खेल की पहचान सिर्फ खिलाड़ियों से, महाराष्ट्र एसोसिएशन चुनाव पर रोक हटाने से इनकार**

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने क्रिकेट और अन्य खेल संघों के संचालन पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि खेल संस्थाओं का नेतृत्व ऐसे लोगों के हाथ में होना चाहिए, जो खेल को समझते हों। क्रिकेट संघों में रिटायर्ड क्रिकेटरों को जगह मिलनी चाहिए, न कि ऐसे लोगों को जो बैट तक पकड़ना नहीं जानते। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की नेतृत्व वाली बेंच ने बॉम्बे हाईकोर्ट के उस आदेश में दखल देने से इनकार कर दिया, जिसमें महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के चुनाव पर रोक लगाई गई थी। ये चुनाव 6 जनवरी को होने थे, लेकिन उनमें भाई-भतीजावाद और पक्षपात के आरोप लगे थे।

सीजेआई ने एमसीए में अचानक से सदस्य बढ़नें पर सवाल उठाया- सुनवाई के दौरान सीजेआई ने एमसीए की सदस्यता में अचानक हुई बढ़ोतरी पर सवाल उठाया। कोर्ट ने रिकॉर्ड का हवाला देते हुए कहा कि 1986 से 2023 तक एसोसिएशन में 164 सदस्य थे,

लेकिन इसके बाद अचानक बड़ी संख्या में नए सदस्य जोड़ दिए गए।

सीजेआई ने पूछा कि इतने सालों में सीमित सदस्य और फिर अचानक 'बंपर ड्रॉ' कैसे हो गया। उन्होंने कहा- अगर सदस्य संख्या 300 तक बढ़ानी थी तो उसमें नामी और रिटायर्ड अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को शामिल किया जाना चाहिए था।

एमसीए और अन्य याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि रिटायर्ड जज की अध्यक्षता वाली समिति ने प्रक्रिया देखी थी और कुछ आवेदनों को खारिज भी किया गया। साथ ही आरोप लगाया गया कि चैरिटी कमिश्नर ने बिना कैबिनेट से सलाह लिए प्रशासक नियुक्त कर दिया।

केदार जाधव ने वोटर लिस्ट में हेरफेर का आरोप लगाया था- मामला तब शुरू हुआ जब पूर्व भारतीय क्रिकेटर और भाजपा नेता केदार जाधव ने बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि करीब 401 नए सदस्यों को जोड़कर वोटर लिस्ट में हेरफेर की गई। याचिका में कहा गया कि इनमें से कई लोग एनसीपी-सपा विधायक रोहित पवार के रिश्तेदार या कारोबारी सहयोगी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को अपनी याचिकाएं वापस लेने की अनुमति दी और सभी आपत्तियां बॉम्बे हाईकोर्ट के सामने रखने को कहा।

13 फरवरी से शुरू होगा 'दिल्ली खेल महाकुंभ', 16 स्टेडियम समेत कई वेन्यू पर मैच

नई दिल्ली(एजेंसी)। खेल संस्कृति को बढ़ाने की दिशा में दिल्ली सरकार 'दिल्ली खेल महाकुंभ' प्रतियोगिता करवाएगी। खेल और शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने इसका ऐलान किया। उन्होंने बताया कि इसका उद्घाटन 13 फरवरी को मुख्यमंत्री रेख गुप्ता करेंगी। प्रारंभिक चरण में इसमें कबड्डी, फुटबॉल, एथलेटिक्स, रेसलिंग, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल और स्क्वैश- इन सात खेलों को शामिल किया गया है।

इनमें 20 हजार से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। यह महाकुंभ एक महीने तक दिल्ली के 16 विभिन्न स्टेडियम और अलग-अलग वेन्यू जैसे बवाना, विकासपुरी, नजफगढ़ सहित विभिन्न क्षेत्रों में रखा जाएगा ताकि हर क्षेत्र के युवाओं को समान अवसर मिल सके। इस अवसर पर सूद ने 'रणवीर'नाम से 'दिल्ली खेल महाकुंभ' के मैस्कॉट का भी अनावरण किया। उन्होंने कहा कि रणवीर दिल्ली के युवाओं की ऊर्जा, साहस और खेल भावना का प्रतीक है।जीतने वाली टीमों और व्यक्तिगत स्पर्धाओं में जीतने वाले खिलाड़ियों को क्या इनाम मिलेगा?

भारत में नहीं दिखेंगे पीएसएल के मैच

पाक ने टी20 वर्ल्ड कप विवाद के बीच रोके मीडिया राइट्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम इंडिया के खिलाफ मैच बॉयकॉट करने के बाद एक और भारत विरोधी कदम उठाया है। पीसीबी ने पाकिस्तान सुपर लीग 2026 (पीएसएल 2026) के 11वें सीजन के मैचों का भारत में प्रसारण करने पर रोक लगा दी है। पीसीबी ने पीसएल11 के मैचों के इंटरनेशनल ब्रॉडकास्ट राइट्स बेचते हुए यह कदम उठाया है। हालांकि इससे उल्टा

पाकिस्तान को ही नुकसान होने की संभावना मानी जा रही है, क्योंकि क्रिकेट मैचों में विज्ञापन देने वाली अधिकतर कंपनियां भारतीय हैं और भारत में करीब 140 करोड़ की आबादी में से 80 फीसदी क्रिकेट मैचों का बड़ा दर्शक वर्ग है।

पाकिस्तानी कंपनी ने ही खरीदे हैं अधिकार- मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पीएसएल 11 के ग्लोबल मीडिया राइट्स के लिए बोली मांगी थी, जिसमें वली टेक्नोलॉजीज सबसे बड़ी बोलीदाता के तौर पर सामने आई है। पीसीबी ने भारत में प्रसारण के अधिकार छोड़कर बाकी सभी जगह के राइट्स वली टेकनोलॉजीज को एक साल के लिए दिए हैं। वली टेक्नोलॉजीज खुद को 'मेड इन पाकिस्तान' टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने वाली कंपनी होने का दावा करती है।

पिछली बार से 149 प्रतिशत ज्यादा महंगी कीमत का दावा

पीएसएल के सीईओ सलमान नासिर ने कहा, वली टेक्नोलॉजीज ने पिछले साल के मुकाबले 149 प्रतिशत ज्यादा कीमत पर ग्लोबल मीडिया राइट्स खरीदे हैं, जो पीएसएल की बढ़ती ब्रांड वैल्यू और इंटरनेशनल डिमांड को दिखा रहे हैं। हम नया बेंचमार्क तय करने के लिए वली टेक्नोलॉजीज के आभारी हैं।

क्रिकेट के 73 नियम बदले 1 अक्टूबर से लागू होंगे

● **टेस्ट में दिन के आखिरी ओवर में विकेट गिरा तो नया बैटर आएगा, लेमिनेटेड बैट को मंजूरी**

मेलबर्न (एजेंसी)। क्रिकेट के 73 नियम बदल दिए हैं। इनमें टेस्ट मैच में दिन के आखिरी ओवर में विकेट गिरने पर पूरा ओवर खेलना अनिवार्य कर दिया गया है। डेड बॉल, ओवरथ्रो, बाउंड्री पर लिए जाने वाले कैच, विकेटकीपर की पोजीशन जैसे कई नियम बदले गए हैं। लेमिनेटेड बैट को सशर्त मंजूरी दी गई है। नए नियम 1 अक्टूबर 2026 से लागू होंगे। 2022 के बाद नियमों में यह सबसे बड़ा अपडेट है।

बदले गए मुख्य नियम

1. टेस्ट मैच में दिन का आखिरी ओवर का नियम बदला- क्रिकेट नियम बनाने वाले मेरिलबोन क्रिकेट क्लब

(एमसीसी) ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि टेस्ट मैचों में दिन का आखिरी ओवर अब हर हाल में पूरा कराया जाएगा। ऐसा न होने से खेल का रोमांच कम हो जाता है। एमसीसी ने कहा, 'यह अनुचित माना गया कि अगर दिन के अंतिम ओवर में गेंदबाजी कर रही टीम विकेट लेती है, तो बल्लेबाजी टीम को नया बल्लेबाज भेजने की जरूरत नहीं पड़ती।' वहीं यह भी बयान में कहा गया कि, इससे समय की बचत भी नहीं होती, क्योंकि बची हुई गेंदें अगले दिन पूरी करनी ही पड़ती हैं। साथ ही इससे खेल का रोमांच कम हो जाता है। नया बल्लेबाज मुश्किल परिस्थितियों से बच जाता है। क्योंकि आमतौर पर उस समय गेंदबाजों के लिए हालात अनुकूल होते हैं। नए नियम के तहत अगर परिस्थितियां अनुकूल रहीं, तो अंतिम पूरा किया जाएगा, भले ही उस दौरान विकेट गिर जाए।

ओवरथ्रो और 'डेड बॉल' की नई परिभाषा- एमसीसी ने ओवरथ्रो और मिसफील्ड के बीच के अंतर को स्पष्ट कर दिया है।

हिट विकेट के नियम को और साफ किया गया

हिट विकेट में कन्फ्यूजन को दूर किया गया है। अब यह समझने में कोई दिक्कत नहीं रहेगी कि बल्लेबाज कब हिट विकेट आउट माना जाएगा और कब नहीं।

● **बैलेंस बिगड़ना-** अगर बल्लेबाज शॉट खेलने के बाद लड़खड़ाता है और संतुलन बनाते-बनाते खुद स्टंप्स पर गिर जाता है, तो वह आउट होगा। इससे फर्क नहीं पड़ेगा कि गेंद उस समय कितनी दूर जा चुकी है।

● **फील्डर से टक्कर-** अगर बल्लेबाज का किसी फील्डर से टकराव हो जाता है और उसी वजह से वह स्टंप्स पर गिरता है, तो उसे हिट विकेट आउट नहीं दिया जाएगा। ● **बल्ला छूटना-** अगर बल्लेबाज के हाथ से बल्ला छूटकर सीधे स्टंप्स पर लग जाता है, तो वह आउट माना जाएगा। लेकिन अगर बल्ला पहले विकेटकीपर या किसी फील्डर को छूता है और फिर स्टंप्स से टकराता है, तो बल्लेबाज नॉट आउट रहेगा।

एमसीसी ने साफ किया है कि अगर बल्लेबाज गेंद खेलने के बाद संतुलन बनाने की कोशिश में लड़खड़ाकर स्टंप्स पर गिर जाता है, तो उसे हिट विकेट आउट माना जाएगा, चाहे गेंद उस समय काफी दूर जा चुकी हो।

बॉल और बैट के लिए तय हुए मानक

एमसीसी ने मौजूदा और पूर्व महिला खिलाड़ियों से सलाह लेकर जूनियर और महिला क्रिकेट में इस्तेमाल होने वाली गेंदों के लिए नए नियम बनाए हैं। अब गेंदों को तीन साइज में बांटा गया है। साइज-1, साइज-2 और साइज-3।

ग्रुप डी में पिछली फाइनलिस्ट साउथ अफ्रीका के साथ न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान

● **टी-20 वर्ल्ड कप 2026** ● **ग्रुप ए में भारत-पाकिस्तान**

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से शुरू होगा। आईसीसी के मेगा इवेंट में 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें 4 अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया है। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा चर्चा 'ग्रुप ऑफ डेथ' को लेकर है। इस बार यह टैग ग्रुप-डी को मिला है। जिसमें पिछली बार की फाइनलिस्ट साउथ अफ्रीका के साथ 2021 की रनर-अप न्यूजीलैंड और पिछली सेमीफाइनलिस्ट अफगानिस्तान शामिल हैं।

ग्रुप-ए में भारत और पाकिस्तान जैसी राइवल टीमों के अलावा ग्रुप-सी में 2-2 बार की चैंपियन इंग्लैंड और वेस्टइंडीज भी आमने-सामने हैं। इस स्टोरी में हम टूर्नामेंट के चारों ग्रुप का एनालिसिस करेंगे।

ग्रुप-ए-पाकिस्तान को हरा चुका है यूएसए- ग्रुप -ए में डिफेंडिंग चैंपियन भारत और पाकिस्तान जैसी राइवल टीमें हैं। जबकि नीदरलैंड, एसए और नामिबिया भी इस ग्रुप का हिस्सा हैं।

कागजों पर भारत और पाकिस्तान को मजबूत दावेदार माना जा रहा है, लेकिन पिछले टी-20 वर्ल्ड कप में अमेरिका ने पाकिस्तान को हराकर टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर कर दिया था।

2024 में पहली बार वर्ल्ड कप खेलने वाली अमेरिकी

टीम ने 2009 की चैंपियन पाकिस्तान को सुपर ओवर में मात देकर इतिहास रचा था। ऐसे में ग्रुप-ए में किसी भी टीम को हल्के में लेना भारी पड़ सकता है। नीदरलैंड भी साउथ अफ्रीका जैसी टीमों को वर्ल्ड कप में हरा चुकी है।

ग्रुप-ए की टीमों का स्क्वॉड- भारत- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन, शिवम दुबे, ईशान किशन, हार्दिक पंड्या, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर और रिंकू सिंह।

पाकिस्तान- सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमान, ख्वाजा मोहम्मद नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान और उस्मान तारिक।

यूएसए- मोनांक पटेल (कप्तान), जेसी सिंह (उप-कप्तान), एंड्रीज गौस, शेहान जयसूर्या, मिलिंद कुमार, शायन जहांगीर, सैतेजा मुक्कामाला, संजय कृष्णमूर्ति, हरमीत सिंह, नोस्टुश केनजिगे, शैडली वान शल्कविक, सौरभ नेत्रवलकर, अली खान, मोहम्मद मोहसिन और शुभम रंजने।

नीदरलैंड- स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), कॉलिन एकरमैन, नोआ क्रोज़, बास डी लीडे, आर्यन दत्त, फ्रेड क्लासेन, काइल क्लेन, माइकल लेविट, ज़ैक लायन-कैशेट, मैक्स ओडोड, लोगान वैन बीक, टिम वैन डेर गुगटेन, रूलोफ वैन डेर मेरवे, पॉल वैन मीकेरेन और साकिब जुल्फिकार।

नामीबिया- जेरार्ड इरास्मस (कप्तान), जेन ग्रीन, बर्नार्ड शोल्ट्ज, रूबेन ट्रम्पेलमैन, जे जे स्मिट, जॉन फ्राइलिनक, लॉरेन स्टीनकैंप, मालन क्रूगर, निकोल लोफ्टी-ईटन, जैक ब्रासेल, बेन शिकोंगो, जेसी बाल्ट, डायलन लीचर, डब्ल्यूपी मायबर्ग और मैक्स हेंगो।

देविका सिहाग ने थाईलैंड मास्टर्स में जीत का श्रेय पीवी सिंधू को दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 का खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली युवा भारतीय शटलर देविका सिहाग ने अपनी इस बड़ी सफलता का श्रेय दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के साथ लंबे समय तक किए गए अभ्यास और मशहूर कोच इरवानस्याह आदि प्रतामा के मार्गदर्शन को दिया है। हरियाणा की 20 वर्षीय खिलाड़ी ने इस जीत के साथ भारतीय बैडमिंटन में नया अध्याय जोड़ा है।

सुपर 300 खिताब जीतने वाली तीसरी भारतीय महिला बनीं देविका

देविका सिहाग साइना नेहवाल और पीवी सिंधू के बाद सुपर 300 महिला एकल खिताब जीतने वाली तीसरी भारतीय महिला शटलर बन गई हैं। इस उपलब्धि ने उन्हें भारतीय बैडमिंटन के उभरते सितारों में शामिल कर दिया है और अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनकी पहचान को और मजबूत किया है।

सिंधू के साथ अभ्यास से मिला आत्मविश्वास- पीटीआई वीडियो से बातचीत में देविका ने कहा कि पीवी सिंधू के साथ अभ्यास करना उनके करियर के लिए बेहद फायदेमंद रहा। उन्होंने बताया कि सिंधू के खेल को करीब से देखना और उनके अनुशासन व मेहनत से प्रेरणा लेना उनके प्रदर्शन में साफ झलकता है। पिछले कुछ महीनों से सिंधू के साथ अभ्यास करने से उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ा है।

कोच इरवानस्याह की भूमिका को बताया अहम- देविका ने इंडोनेशियाई कोच

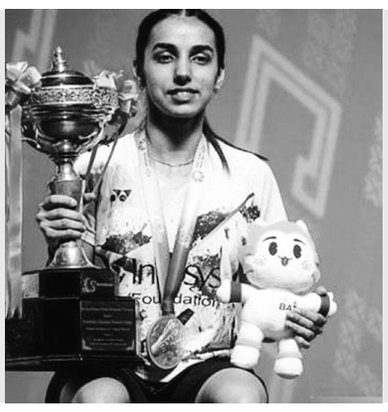

इरवानस्याह आदि प्रतामा के योगदान को भी खास बताया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस अनुभवी कोच से उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से खुद को बेहतर ढंग से तैयार करने की सीख मिली है। हर सत्र के बाद रणनीति और सुधार पर होने वाली चर्चा उनके खेल को निखारने में मदद कर रही है।

इन दिग्गज खिलाड़ियों से लेती हैं प्रेरणा- देविका ने खुलासा किया कि वह चीनी ताइपे की पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी ताई त्जु यिंग और पीवी सिंधू की लंबे समय से प्रशंसक रही हैं। इसके अलावा उन्होंने एन से यंग, अकाने यामागुची और वांग झी जैसे मौजूदा दौर की शीर्ष खिलाड़ियों की फिटनेस, गति और सकारात्मक खेल शैली की भी सराहना की।

टॉप 30 में पहुंचना अगला लक्ष्य- भविष्य को लेकर देविका ने कहा कि इस साल उनका लक्ष्य विश्व रैंकिंग में टॉप 30 में जगह बनाना है। उन्होंने बताया कि साल की शुरुआत शानदार रही है और वह आने वाले टूर्नामेंटों को लेकर काफी उत्साहित हैं। उनका मानना है कि निरंतर अच्छा प्रदर्शन उन्हें इस लक्ष्य तक जरूर पहुंचाएगा।

न्यूज डायरी

आयुष्मान भारत/चिरायु सर्जिकल कैंप सप्ताह के तीसरे दिन की गई 16 सर्जरी

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। स्वास्थ्य विभाग, पंचकूला द्वारा आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत 2 फरवरी से 7 फरवरी 2026 तक जिले में "आयुष्मान भारत/चिरायु सर्जिकल कैंप सप्ताह" का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत सिविल अस्पताल, सेक्टर-6, में पात्र लाभार्थियों के लिए निःशुल्क एवं कैशलेस सर्जरी की विशेष व्यवस्था की गई है।

सिविल सर्जन डॉ मुक्ता कुमार ने बताया की उक्त उद्देश्य की पूर्ति हेतु सिविल अस्पताल, सेक्टर-6, पंचकूला में इस सर्जिकल कैंप का विधिवत आयोजन किया गया है। अस्पताल प्रशासन, विशेषज्ञ चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ तथा आयुष्मान प्रबंधन टीम द्वारा कैंप के दौरान पूर्ण समन्वय एवं तत्परता के साथ कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने बताया की कैंप के तीसरे दिन 4 फरवरी को विभिन्न विभागों द्वारा कुल 16 सर्जरी की गई, जिसमें से 4 जनरल सर्जरी विभाग, 3 ईएनटी विभाग, 4 नेत्र रोग विभाग व 5 स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग शामिल है।

उन्होंने बताया आगामी 5 से 7 फरवरी तक सर्जिकल कैंप की सुचारु कार्यवाही हेतु विभिन्न व्यवस्थाएँ की गई है जिनमे विशेषज्ञ सर्जनों एवं एनेस्थीसिया टीम की निरंतर उपलब्धता, ऑपरेशन थियेटर का 24×7 संचालन-सक्षम रखरखाव, प्री-ऑपरेशनल एवं पोस्ट-ऑपरेशनल वार्ड में अतिरिक्त बेड की उपलब्धता, दस्तावेज सत्यापन एवं लाभार्थी पंजीकरण हेतु समर्पित आयुष्मान हेल्पडेस्क, स्टेरिलाइजेशन, पैथोलॉजी एवं रेडियोलॉजी सेवाओं की निर्बाध आपूर्ति और प्रत्येक विभाग में मरीज सहायता एवं मार्गदर्शन हेतु हेल्प टीम की नियुक्त शामिल है।

सिविल सर्जन डॉ मुक्ता कुमार ने सभी पात्र लाभार्थियों, समुदाय प्रतिनिधियों एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा है की जिन लाभार्थियों की किसी भी प्रकार की सर्जरी लंबित है, वे सिविल अस्पताल, सेक्टर-6, पंचकूला में शीघ्र संपर्क करें। आयुष्मान भारत/चीरायु हरियाणा योजना के अंतर्गत सभी प्रकार की सर्जरी पूर्णतया निःशुल्क एवं कैशलेस हैं। उन्होंने कहा की लाभार्थी अस्पताल पहुँचते समय अपना आभा नंबर/आयुष्मान कार्ड/चिरायु दस्तावेज अवश्य साथ लाएँ।

उन्होंने कहा की जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य है कि इस अभियान अवधि के दौरान एक भी पात्र लाभार्थी सर्जरी हेतु प्रतीक्षा सूची में न रहे।

हरियाणा श्रम कल्याण बोर्ड की 29 सेवाएं राइट टू सर्विस एक्ट के दायरे में

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने हरियाणा श्रम कल्याण बोर्ड की कुल 29 सेवाओं को हरियाणा सेवा का अधिकार अधिनियम, 2014 के दायरे में लाते हुए इन सेवाओं के लिए समय-सीमा निर्धारित की है।

मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा इस सम्बन्ध में अधिसूचना जारी की गई है। अधिसूचित सेवाओं में श्रमिकों के बच्चों के लिए पहली कक्षा से बारहवीं कक्षा तक स्कूल की वर्दी, किताबों एवं कॉपियों हेतु वित्तीय सहायता, छात्रवृत्ति, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा की कोचिंग, यूपीएससी तथा एचपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद मुख्य परीक्षा की तैयारी हेतु वित्तीय सहायता शामिल है। इसके अतिरिक्त, खेल प्रतियोगिताओं तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए श्रमिकों के बच्चों को वित्तीय सहायता भी अधिसूचित की गई है।

महिला श्रमिकों तथा श्रमिकों की पुत्रियों के विवाह हेतु कन्यादान सहायता, पुरुष श्रमिकों तथा उनके पुत्रों के विवाह हेतु शगुन सहायता, महिला श्रमिकों एवं पुरुष श्रमिकों की पत्नियों के प्रसूति हेतु वित्तीय सहायता को भी सेवा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत लाया गया है। इसके साथ ही, श्रमिकों एवं उनके आश्रितों को दांतों के उपचार, चश्मा, साइकिल, महिला श्रमिकों को सिलाई मशीन, एलटीसी, निःशक्तता, कृत्रिम अंग, श्रवण यंत्र/श्रवण सहायक उपकरण, तिपहिया साइकिल तथा श्रमिकों के दृष्टिबाधित, शारीरिक या मनोबाधित निःशक्त बच्चों को वित्तीय सहायता प्रदान करने की सेवाएं भी अधिसूचित की गई हैं। इन सभी सेवाओं के लिए 60 दिनों की समय-सीमा तय की गई है।

अधिसूचना में मृतक श्रमिकों के आश्रितों को वित्तीय सहायता, मृतक श्रमिकों के लिए मुख्यमंत्री सामाजिक सुरक्षा योजना तथा मृतक श्रमिकों के आश्रितों को दाह संस्कार हेतु वित्तीय सहायता को भी शामिल किया गया है। इन सेवाओं के लिए 15 दिनों की समय-सीमा निर्धारित की गई है।

इसके अतिरिक्त, हरियाणा सिलिकोसिस पुनर्वास नीति के अंतर्गत आने वाली सेवाओं को भी हरियाणा सेवा का अधिकार अधिनियम के दायरे में लाया गया है। इनमें सिलिकोसिस से प्रभावित श्रमिकों के लिए पुनर्वास सहायता, सिलिकोसिस पुनर्वास पेंशन, पारिवारिक पेंशन, बच्चों की शिक्षा हेतु वित्तीय सहायता, तथा लड़कियों और लड़कों के विवाह हेतु वित्तीय सहायता शामिल है। इन सेवाओं के लिए 60 दिनों की समय-सीमा निर्धारित की गई है। मृत्यु उपरांत सहायता तथा अंतिम संस्कार सहायता के लिए 15 दिनों की समय-सीमा निर्धारित की गई है।

हरियाणा श्रम कल्याण बोर्ड की 29 सेवाएं राइट टू सर्विस एक्ट के दायरे में

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने हरियाणा श्रम कल्याण बोर्ड की कुल 29 सेवाओं को हरियाणा सेवा का अधिकार अधिनियम, 2014 के दायरे में लाते हुए इन सेवाओं के लिए समय-सीमा निर्धारित की है।

मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा इस सम्बन्ध में अधिसूचना जारी की गई है।

अधिसूचित सेवाओं में श्रमिकों के बच्चों के लिए पहली कक्षा से बारहवीं कक्षा तक स्कूल की वर्दी, किताबों एवं कॉपियों हेतु वित्तीय सहायता, छात्रवृत्ति, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा की कोचिंग, यूपीएससी तथा एचपीएससी की प्रारम्भिक परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद मुख्य परीक्षा की तैयारी हेतु वित्तीय सहायता शामिल है। इसके अतिरिक्त, खेल प्रतियोगिताओं तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए श्रमिकों के बच्चों को वित्तीय सहायता भी अधिसूचित की गई है।

हरियाणा महिला विकास निगम की व्यक्तिगत ऋण योजना

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा महिला विकास निगम की व्यक्तिगत ऋण योजना के अंतर्गत निगम द्वारा वर्ष 2025–26 के लिए कुल 60 मामलों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिनमें 20 मामले अन्य श्रेणी तथा 40 मामले अनुसूचित जाति वर्ग से संबंधित हैं। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने बताया कि वे महिलाएं, जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से अधिक नहीं है तथा जिनके परिवार का कोई भी सदस्य आयकर दाता नहीं है, इस योजना के अंतर्गत 1.50 लाख रुपये तक के व्यक्तिगत ऋण के लिए आवेदन कर सकती हैं। उन्होंने आगे बताया कि निगम द्वारा 25 प्रतिशत अनुदान राशि प्रदान की जाती है, जो अन्य श्रेणी के लिए अधिकतम 10,000 रुपये तथा अनुसूचित जाति के लिए अधिकतम 25,000 रुपये है। इसके अतिरिक्त 10 प्रतिशत राशि लाभार्थी को स्वयं वहन करनी होती है, जबकि शेष राशि की व्यवस्था राष्ट्रीयकृत अथवा सहकारी बैंकों के माध्यम से कराई जाती है। उन्होंने बताया कि यह ऋण राशि विभिन्न स्वरोजगार गतिविधियों जैसे सिलाई, कढ़ाई, करियाना, मनियारी, रेडीमेड गारमेंट्स, कपड़े की दुकान, स्टेशनरी, ब्यूटीक एवं जनरल स्टोर आदि के लिए प्रदान की जाती है। यह ऋण योजना शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों की महिलाओं के लिए उपलब्ध है। अधिक जानकारी हेतु इच्छुक महिलाएं निगम के जिला प्रबंधक, हरियाणा महिला विकास निगम, कमरा नंबर 52, तीसरी मंज़िल, नई बिल्डिंग, मिनी सचिवालय, सेक्टर-1, पंचकूला में या फोन नंबर 0172-2585271 पर संपर्क कर सकती हैं।

नगर निगम आयुक्त विनय कुमार ने किया शिकायत केंद्र एवं सेक्टर-12ए कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

- नागरिक सुविधाओं, शिकायत पंजीकरण, निवारण प्रक्रिया एवं डिजिटल व्यवस्था की करी समीक्षा
- आयुक्त ने नागरिकों से की अपील, हेल्पलाइन 9696494949 एवं आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से दर्ज कराएं शिकायत

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। नगर निगम पंचकूला के आयुक्त श्री विनय कुमार ने नागरिक सुविधाओं एवं प्रशासनिक कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज नगर निगम के शिकायत केंद्र (कंप्लेंट सेंटर) तथा सेक्टर-12ए स्थित क्षेत्रीय कार्यालय का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने शिकायत केंद्र की कार्यप्रणाली, शिकायतों के पंजीकरण एवं निवारण की प्रक्रिया, स्टाफ की उपलब्धता, नागरिकों को दी जा रही सहायता तथा डिजिटल/ऑनलाइन शिकायत व्यवस्था का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने कर्मचारियों से संवाद कर शिकायतों के त्वरित समाधान, निर्धारित समय-सीमा के पालन एवं नागरिक संतुष्टि स्तर पर चर्चा की।

शिकायत निवारण प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं नागरिक-केंद्रित बनाने के निर्देश

इसके पश्चात आयुक्त ने सेक्टर-12ए कार्यालय का निरीक्षण करते हुए प्रशासनिक कार्यों, स्टाफ व्यवस्था, दस्तावेजीकरण प्रणाली, नागरिक सेवाओं के वितरण तथा कार्यालय की समग्र स्वच्छता एवं रखरखाव का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए शिकायत निवारण प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं नागरिक-केंद्रित बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक देरी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आवश्यक होने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नागरिकों को सुगम, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करना हमारा लक्ष्य

इस अवसर पर श्री विनय कुमार ने कहा कि शिकायत केंद्र एवं क्षेत्रीय कार्यालय नगर निगम और नागरिकों के बीच जन-संपर्क की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। इनकी बेहतर कार्यप्रणाली से ही नागरिकों की समस्याओं का त्वरित, प्रभावी एवं संतोषजनक समाधान संभव है। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य प्रत्येक शिकायत का शत-प्रतिशत प्रभावी निपटारा सुनिश्चित करना तथा नागरिकों को सुगम, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करना है।

संभावित कानून-व्यवस्था की चुनौतियों के मद्देनज़र एक्शन मोड में हरियाणा पुलिस

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति को हर परिस्थिति में नियंत्रित एवं सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से हरियाणा पुलिस ने व्यापक स्तर पर सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा शुरू कर दी है। पुलिस महानिदेशक, हरियाणा अजय सिंघल के निर्देशानुसार यह रणनीति कानून व्यवस्था संबंधित चुनौतियों की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है।

कानून-व्यवस्था को लेकर हरियाणा पुलिस पूरी तरह सतर्क और तैयार - अजय सिंघल

श्री सिंघल ने कहा कि हरियाणा पुलिस राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह सतर्क और तैयार है। संभावित चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्थाओं की व्यापक समीक्षा की जा रही है तथा सभी जिलों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे गश्त, निगरानी और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र को और अधिक प्रभावी बनाएं। नागरिकों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था फैलाने वाले तत्वों से सख्ती से निपटा जाएगा। पुलिस बल को पेशेवर, संयमित और जनहित में कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि प्रदेश में शांति, सौहार्द और कानून का राज हर स्थिति में कायम रहे।

वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा फील्ड रिव्यू

हरियाणा के पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल पुलिस मुख्यालय द्वारा सभी जिलों, रेंजों एवं पुलिस आयुक्तालयों को उच्च सतर्कता बनाए रखने तथा अपनी कानून-व्यवस्था संबंधी तैयारियों का आंकलन करने के निर्देश जारी किए गए हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि निर्देशों का पालन केवल औपचारिक न रहे, 6 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को विभिन्न जिलों, रेंजों और पुलिस आयुक्तालयों में कानून-व्यवस्था तैयारियों की समीक्षा का दायित्व सौंपा गया है। सभी इकाइयों को निर्धारित समय-सीमा में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं, जिसके पश्चात पुलिस मुख्यालय स्तर पर प्रगति की गहन समीक्षा की जाएगी।

कांग्रेस के पास मुद्दे नहीं, सिर्फ झूठी बयानबाजी: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही केंद्र की 3.0 सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामण द्वारा पेश किए गए दूसरे आम बजट में कोई कमी नहीं है। लेकिन, केवल हाजिरी लगाने के लिए और जनता को गुमराह करने के लिए विपक्ष के नेताओं द्वारा बयानबाजी की जा रही है। इस बजट से विकसित भारत के सपने को साकार करने में तेजी मिलेगी, साथ ही बजट से भले ही कांग्रेस कमजोर हो लेकिन भारत मजबूत हुआ है।

मुख्यमंत्री बुधवार को हरियाणा निवास पर पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि जब बजट को केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण पेश कर रही थी, उस दौरान भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी को खुश करने के लिए बजट से पहले ही एक नेता ने ट्वीट कर दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा तो हैं नहीं, बस वो दिखते रहने की कोशिश कर रहे है। बिना बजट के बारे में जाने या उसे पढ़े केवल और केवल भ्रम फैलाने के लिए ऐसा किया जा रहा है।

गरीब वर्ग को केवल और केवल हताश किया जाता था:

मुख्यमंत्री ने चुटकी लेते हुए कहा कि आज कांग्रेस नेताओं के घरों में भी देश में हो रहे विकास को लेकर चर्चा होती है। उन्होंने कहा कि पहले के समय में तो ऐसा हाल होता था कि कांग्रेस जब बजट पेश करती थी तो सिर्फ रेवड़िया दिखाई जाती थीं। इतना ही नहीं, बजट में जारी हुए पैसे को खुर्द बुर्द कर दिया जाता था। लोक लुभावने वायदे किये जाते थे और गरीब वर्ग को केवल और केवल हताश किया जाता था। लेकिन पीएम श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पेश होने वाले बजट में विकास को अहम माना जा रहा है, हर वर्ग के उत्थान की दिशा में काम हो रहा है। केंद्र सरकार की तीसरी टर्म में इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत हुआ है और देश तेज गति से आगे बढ़ रहा है यह सब नजर आ रहा है।

राहुल गांधी पर साधा निशाना:

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बजट में जैसे—जैसे जनता के हितों की बात आती है, वैसे वैसे कांग्रेस पीछे होती जा रही है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के कुरुक्षेत्र दौरे को लेकर कहा कि वो यहां आए थे और पांडवों ने कोई जीएसटी लगाया था ? जैसे बयान दिए। असल में कांग्रेस के पास कोई मुद्दा है नहीं।

अंतर्राष्ट्रीय सूरजकुंड मेला में एक स्टॉल ऐसी जहां लकड़ी पर होती है गजब की नक्काशी, मूर्तियां देख रह जाएंगे निहारते

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन व हरियाणा पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा की देख-रेख में हरियाणा के जिला फरीदाबाद के सूरजकुंड में लोकल फॉर ग्लोबल-आत्मनिर्भर भारत की पहचान थीम के साथ आयोजित किया जा रहा 39वां सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला हरियाणा प्रदेश ही नहीं अपितु देश के अन्य राज्यों के हस्तशिल्पियों को भी अपनी हस्तकला का प्रदर्शन करने के लिए बेहतरीन मंच प्रदान कर रहा है।

सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला में आए ऐसे ही एक हस्तशिल्पी हैं तिरुपति बालाजी से आए फूला चंदू मेला में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोक व आत्मनिर्भर भारत विजन को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। फूला चंदू को लकड़ी पर नक्काशी करने में महारथ हासिल है, जिसके माध्यम से वे लकड़ी पर गजब की नक्काशी करते हैं और लकड़ी को भगवान की मूर्तियों का रूप देते हैं। फूला चंदू द्वारा लगाई गई स्टॉल दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित करने के साथ-साथ लोगों की आस्था का केंद्र बनी हुई है।

मेले में लगी एक विशेष स्टाल पर्यटकों के बीच खासा आकर्षण का केंद्र बनी हुई है, जहां जूट बैग, बास्केट, स्टूल सहित 200 से अधिक हस्तनिर्मित उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं और पर्यटकों के लिए बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

विशाल सिंह और सम्राट सिंह ने बताया कि यह स्टाल पूरी तरह से हाथ से बने स्वदेशी उत्पादों को समर्पित है, जो न सिर्फ पर्यावरण के अनुकूल हैं, बल्कि स्थानीय कारीगरों की मेहनत और कला को भी दर्शा रही है। स्टाल पर उपलब्ध जूट बैग्स, सजावटी बास्केट, बैठने के लिए स्टूल, होम डेकोर आइटम्स और दैनिक उपयोग की वस्तुएं लोगों को खूब पसंद आ रही हैं। खास बात यह है कि सभी उत्पादों में पारंपरिक डिजाइन के साथ-साथ आधुनिक जरूरतों का भी ध्यान रखा गया है।

नगर निगम आयुक्त विनय कुमार ने हॉर्टिकल्चर विंग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान का लिया जायजा

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। नगर निगम पंचकूला के आयुक्त श्री विनय कुमार ने आज नगर निगम के बागवानी (हॉर्टिकल्चर) विंग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान का जायजा लेने के उद्देश्य से एमडीसी सेक्टर-4, एमडीसी सेक्टर-5 तथा सेक्टर-2 एवं सेक्टर-4 का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने उन क्षेत्रों का गहन अवलोकन किया जहां पौधारोपण, हरियाली विकास, पार्कों के सौंदर्यीकरण, फूलों की क्यारियों की स्थापना एवं अन्य सौंदर्यीकरण कार्य प्रगति पर हैं। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता, प्रगति एवं समयबद्धता पर विशेष बल दिया।

आयुक्त श्री विनय कुमार ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के अंतर्गत सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। उन्होंने पार्कों, ग्रीन बेल्ट्स एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ पौधों की देखभाल एवं नियमित रखरखाव सुनिश्चित करने पर जोर दिया, ताकि पंचकूला को और अधिक स्वच्छ, सुंदर एवं हरित शहर बनाया जा सके।

उन्होंने कहा कि नगर निगम का बागवानी विंग शहर की हरियाली एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ऐसे विशेष अभियान शहरवासियों को स्वच्छ एवं सुंदर वातावरण उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होंगे। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को क्षेत्रवासियों की सहभागिता बढ़ाकर इस अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।इस अवसर पर बागवानी विंग के एक्सईएन, एई, जूनियर इंजीनियर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सेक्टर-21 पार्क का औचक निरीक्षण

इसके उपरांत नगर निगम आयुक्त ने निवासियों से प्राप्त शिकायतों के आधार पर सेक्टर-21 स्थित पार्क में चल रहे विकास एवं रखरखाव कार्यों का औचक निरीक्षण किया।

शिकायतों में पार्क की स्थिति, साफ-सफाई, रखरखाव, बेंचों एवं खेल उपकरणों की मरम्मत, जल निकासी व्यवस्था आदि से संबंधित मुद्दे प्रमुख रूप से शामिल थे। आयुक्त ने मौके पर पहुंचकर कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का जायजा लिया तथा निवासियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित इंजीनियरिंग एवं सफाई कर्मचारियों को तत्काल आवश्यक निर्देश दिए, ताकि शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी समाधान किया जा सके और पार्क को स्वच्छ, सुंदर एवं उपयोगी बनाया जा सके।

आयुक्त ने कहा कि निवासियों की शिकायतों का समाधान नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमारा लक्ष्य शहर के सभी पार्कों को मॉडल स्तर का विकसित करना है, जिससे नागरिक बिना किसी बाधा के सुविधाओं का लाभ उठा सकें। उन्होंने निर्धारित समयसीमा में सभी कमियां दूर करने तथा भविष्य में शिकायतों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सेक्टर-8 के पार्कों का निरीक्षण

नगर निगम आयुक्त श्री विनय कुमार ने रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए), सेक्टर-8 से प्राप्त शिकायतों के आधार पर शालीमार मॉल के सामने स्थित पार्क एवं शहीद मेजर संदीप सागर मेमोरियल पार्क का औचक निरीक्षण किया।

आरडब्ल्यूए द्वारा प्रस्तुत शिकायतों में पार्कों की साफ-सफाई, रखरखाव, बेंचों, लाइटों एवं खेल उपकरणों की मरम्मत, जल निकासी व्यवस्था, हरियाली संरक्षण तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़े मुद्दे शामिल थे। आयुक्त ने पार्कों की वर्तमान स्थिति का निरीक्षण किया, निवासियों से संवाद किया।

एमसीएम में 'गणित उत्सव 2026' के माध्यम से गणितीय रचनात्मकता का उत्सव

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय के स्नातकोत्तर गणित विभाग तथा मैथ्स क्लब 'इन्फिनिट इनसाइट' द्वारा अंतर-महाविद्यालयी कार्यक्रम 'गणित उत्सव 2026' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एमसीएम विज्ञान मंच के तत्वावधान में आयोजित हुआ तथा इसे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा प्रायोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में विश्लेषणात्मक चिंतन, रचनात्मकता तथा गणित के प्रति रुचि को बढ़ावा देना था।

इस अवसर पर पंजाब विश्वविद्यालय, गणित विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुरिंदर पाल सिंह कैंथ बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। अपने संबोधन में डॉ. कैंथ ने गणित विभाग द्वारा इस प्रकार के नवाचारी मंचों के माध्यम से विद्यार्थियों को गणित के महत्व और प्रासंगिकता के प्रति जागरूक करने के प्रयासों की सराहना की।

प्रतिभागी टीमों ने पावर प्वाइंट प्रस्तुति, कविता, भाषण, गणितीय मॉडल पर परियोजना तथा किसी गणितज्ञ का स्केच बनाने जैसी प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली तथा 120 से अधिक विद्यार्थियों ने इसमें पंजीकरण करवाया। विजेताओं को ट्रॉफियाँ प्रदान की गईं तथा सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र दिए गए। कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने विजेताओं को बधाई दी और गणित विभाग एवं मैथ्स क्लब के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस सफल शैक्षणिक आयोजन ने विद्यार्थियों को आपसी संवाद, सहयोग एवं प्रतिभा प्रदर्शन का अवसर प्रदान किया, साथ ही गणित को सीखने की प्रक्रिया को रोचक और सार्थक बनाया।

वर्ष 2026 की शुरुआत में ही मिली 26 आयुष औषधालय खोलने की स्वीकृति : आरती सिंह राव

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि आयुष औषधालय भारत की पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणालियों को सुरक्षित, सस्ता और सुलभ बनाकर एक स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में मदद करते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने पूरे प्रदेश में राजकीय आयुष औषधालय खोलने का निर्णय लिया है। फिलहाल मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने पांच जिलों में 26 आयुष औषधालय और खोलने की स्वीकृति दे दी है , शेष जिलों में भी जल्द ही मैपिंग करवा कर ये औषधालय खोले जाएंगे।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार राज्य के लोगों को किफायती और सुलभ उपचार उपलब्ध करवाने के लिए लगातार प्रयासरत है और आवश्यकतानुसार अस्पताल खोले जा रहे हैं और सस्ती दवाएं दी जा रही हैं। उन्होंने बताया कि रेवाड़ी जिला के 5 गांवों लिसान , करवारा मानकपुर , रोहड़ाई , जयसिंहपुरा, झाबुवा, महेंद्रगढ़ जिला के 6 गांवों सुरजनवास , गुढ़ा , बुचावास , बावनिया , रामबास , रसूलपुर , करनाल जिला के 1 गांव फफड़ाना , कुरुक्षेत्र जिला के 4 गांव अजराना कला , कालसा , नलवी , मोहरी तथा यमुनानगर जिला के 10 गांव महियुद्दीनपुर , रतनगढ़ , भांगड़ा , तलकपुर , खुर्दबन , ताजेवाला , हड़ौली , लेडी , कोट बासवा सिंह और गांव डारपुर में राजकीय आयुष औषधालय खोले जाएंगे।

युवाओं की भागीदारी से राजनीति के मायने बदल रहे हैं प्रधानमंत्री मोदी : डॉ. अरविंद शर्मा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते 11 वर्षों में राजनीति के मायने बदलते हुए एक करोड़ युवाओं को राजनीति में लाने का विचार दिया है, ताकि हमारे क्षमतावान युवा देश को सशक्त बनाने और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) द्वारा राष्ट्रव्यापी 'स्क्रीन टाइम टू एक्टिविटी टाइम' अभियान के तहत पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से शुरू की गई 'स्क्रीन टाइम टू स्पोर्ट्स टाइम' मुहिम न केवल चंडीगढ़, बल्कि हरियाणा और पंजाब के युवाओं में सकारात्मक बदलाव लाने का सशक्त माध्यम बनेगी।

बुधवार को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में एबीवीपी द्वारा आयोजित पीयू ओलंपिक्स खेलों का शुभारंभ करते हुए सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि भारत में खेलों को जो नई दिशा और पहचान मिली है, उसके पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दूरदर्शी नेतृत्व है। उन्होंने खेलों को केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम माना है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में फिट इंडिया मूवमेंट, खेलो इंडिया, ओलंपिक और पैरालंपिक खिलाड़ियों को मिलने वाला प्रोत्साहन इस बात का प्रमाण है कि केंद्र सरकार खेलों को विकसित भारत की नीति के केंद्र में रख रही है। प्रधानमंत्री स्वयं खिलाड़ियों से संवाद करते हैं और उनका मनोबल बढ़ाते हैं।

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने एबीवीपी की 'स्क्रीन टाइम टू स्पोर्ट्स टाइम' मुहिम की सराहना करते हुए कहा कि "सशक्त युवा, सशक्त राष्ट्र" की भावना के साथ एबीवीपी के दशकों से चले आ रहे प्रयास, मेहनत और करोड़ों युवाओं के सपनों के प्रहरी के रूप में निभाई जा रही जिम्मेदारी किसी से छिपी नहीं है। एबीवीपी महज एक संगठन नहीं, बल्कि एक युवा आंदोलन है।

उन्होंने कहा कि एक सप्ताह तक चलने वाले पीयू ओलंपिक्स केवल खेलों का उत्सव नहीं हैं, बल्कि यह युवा भारत के चरित्र, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का उत्सव है। आज मोबाइल हमारी जेब में है, लेकिन खेल का मैदान हमारे जीवन से बाहर होता जा रहा है। जब मोबाइल हमारा मालिक बन जाए, तो समझ लीजिए कि खतरा शुरू हो गया है। गैजेट्स हमारी जीवनशैली को सुविधाजनक बनाने के साथ-साथ एक गंभीर चुनौती भी खड़ी कर रहे हैं। पीयू ओलंपिक्स का उद्देश्य स्क्रीन टाइम से स्पोर्ट्स टाइम की ओर युवाओं को प्रेरित करना है, जो वर्तमान समय का सबसे सार्थक और दूरदर्शी संदेश है।

पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि खेल मैदान वह स्थान है, जहां शरीर मजबूत होता है, मन संतुलित रहता है और व्यक्तित्व निखरता है।